आश्विन कृष्ण पक्ष-8, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 93 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
25 सितम्बर 2024
बुधवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

सड़क हादसे में 9 मौत, ड्राइवर का नहीं उतरा नशा

तेंदुखेड़ा/ दमोह, दोपहर मेट्रो।

दमोह कटनी राजमार्ग पर समन्ना के समीप भीषण सड़क हादसा में अब तक नौ मौतें हो चुकी हैं। कल शाम घटनास्थल पर सात जानें गई थीं। एक महिला की रात में और एक युवक ने सुबह दम तोडा। इस हादसे में एक ट्रक ने सवारी से भरे ऑटो को पीछे से टक्कर मारी थी, इसके बाद ऑटो ट्रक के साथ ही घिसटता चला गया घटना के बाद भी ट्रक ड्राइवर को यह होश तक नहीं था कि उसने क्या किया। पुलिस ने जब उसे पकड़ा, तब भी बहुत कुछ बताने की स्थिति में नहीं था। बस यही बुदबुदा रहा था, 'क्या मेरे ट्रक से एक्सीडेंट हुआ है।' ड्राइवर नशे की हालत में दमोह से ट्रक लेकर बांदकपुर की ओर जा रहा था। उसके खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस किया गया है। नशे की वजह से देर रात तक उसके बयान नहीं हो सके।

अब कमला हैरिस के दफ्तर पर चली गोलियां

एरिजोना। अमेरिका के एरिजोना में उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस के चुनाव अभियान कार्यालय में गोलीबारी की गई। पुलिस ने कहा कि आधी रात के बाद किसी ने गोली चला दी। हालांकि, इस दौरान कार्यालय के अंदर कोई भी मौजूद नहीं था, कार्यालय में यह दूसरी बार ऐसी घटना हुई है। पुलिस ने बताया कि इससे पहले 16 सितंबर को आधीरात के तुरंत बाद सामने की खिड़कियों पर बीबी गन या पैलेट गन से गोलीबारी की गई थी। इन दोनों घटनाओं के बाद किसी को भी गिरफ्तार नहीं किया गया है।

केजरीवाल ने भागवत को लिखी चिट्ठी, पांच सवाल

नई दिल्ली । आप प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को चिट्ठी लिखकर 5 सवाल पूछे हैं। उन्होंने कहा कि ईडी सीबीआई की धमकी देकर दूसरी पार्टी के नेताओं को तोड़ा जा रहा है। दूसरी पार्टियों की सरकारों को गिराया जा रहा है। क्या इस तरह से चुनी हुई सरकारें गिराना देश और देश के लोकतंत्र के लिए सही है? केजरीवाल ने लिखा, 'मैं यह पत्र एक राजनैतिक पार्टी के नेता की हैसियत से नहीं लिख रहा हूं।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर जुटे भाजपा नेता

सीएम ने कहा-सरकार के अभियान का आधार पं.दीनदयाल के विचार

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने शरीर ,मन, बुद्धि, आत्मा से मानवता का भला करने का दर्शन दिया । मुख्यमंत्री ने पंडित उपाध्याय की जयंती के उपलक्ष में लालघाटी स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर अपने संबोधन में कहा कि पं दीनदयाल का मानना था कि देश की जड़ों से जुड़कर हम कार्य करें और अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक का भला करें।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दीनदयालजी की सोच को क्रियान्वित करते हुए विकास व जन कल्याण का काम पूरे देश में चल रहा है।
राज्य सरकार जनकल्याण की कई योजनाओं में देश में अग्रणी है। उनके विचारों को घर-घर तक पहुंचाने के लिए संपूर्ण प्रदेश में अभियान जारी है। भाजपा अध्यक्ष व सांसद वी.डी शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल के विचार के आधार पर ही विश्व के सबसे बड़े संगठन ने अपना विस्तार किया। उनकी जन्म जयंती पर प्रत्येक वार्ड मोहल्ले और गांव-गांव में उनके विचारों पर केंद्रित कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं । अधिक से अधिक लोगों को उनके विचार से जोड़ा जा रहा है। मुख्यमंत्री भी पंडित दीनदयाल के विचारों को धरातल पर उतारनें के पुनीत कर्तव्य के प्रति समर्पित हैं।
कार्यक्रम में यादव सरकार के मंत्री कृष्णा गौर, भोपाल से सांसद आलोक शर्मा, महापौर मालती राय , विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवान दास सबनानी,पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी तथा अन्यजन प्रतिनिधि उपस्थित थे।

नए चीफ जस्टिस कैत को राज्यपाल ने दिलाई शपथ

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र हाइकोर्ट के नए चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत ने आज शपथ ली। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने राजभवन में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्हें शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री मोहन यादव, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा, मुख्य सचिव वीरा राणा सहित कई नेता और अधिकारी इस मौके पर मौजूद रहे। जस्टिस कैत इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट में सीनियर जस्टिस के पद पर थे। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 17 सितंबर को उनके नाम की मध्यप्रदेश के चीफ जस्टिस पद के लिए अनुशंसा की थी। उनका कार्यकाल 6 महीने का होगा।

उल्लेखनीय है कि मप्र में चीफ जस्टिस का पद 24 मई 2024 से खाली था। जस्टिस रवि मलिमठ के रिटायर होने के बाद पहले जस्टिस शील नागू, फिर जस्टिस संजीव सचदेवा एक्टिंग चीफ जस्टिस रहे। जुलाई में कॉलेजियम ने जस्टिस जीएस संधूवालिया को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बनाने की अनुशंसा की थी। बाद में इसे संशोधित कर जस्टिस कैत के नाम की अनुशंसा की गई। जस्टिस कैत दिल्ली के जामिया हिंसा और नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के खिलाफ विरोध जैसे कई महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई कर चुके हैं। फैसलों में उनके निष्पक्ष और संतुलित दृष्टिकोण की सराहना की जाती है।

हरियाणा के रहने वाले, दिल्ली से कानूनी सफरः जस्टिस कैत मूलतः हरियाणा के रहने वाले हैं। दिल्ली विवि से लॉ की डिग्री लेने के बाद उन्होंने 1989 में वकालत शुरू की। उन्होंने केंद्र के भारतीय रेलवे, यूपीएससी सहित कई के केस लड़े।

तन्खा का ट्वीट- अगली बार आदिवासी हों चीफ जस्टिस

सुप्रीम कोर्ट के सीनियर एडवोकेट विवेक तन्खा ने चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत को चीफ जस्टिस बनने पर बधाई दी है। तन्खा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा है कि मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में पहली बार एक विद्वान, दलित जज हमारे प्रदेश के मुख्य न्यायाधीश का पद ग्रहण करेंगे। अगली बार आदिवासी हो तो जस्टिस सिस्टम के प्रति विश्वास और बढ़ेगा।

कृषि कानूनों की वापसी की पैरवी कंगना ने भाजपा को दिया टेंशन

नई दिल्ली , एजेंसी।

भाजपा सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनौत ने किसानों के बारे में फिर ऐसा कुछ कह दिया है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा को सफाई देनी पड रही है। यह चुनाव किसानों के मूड पर भी काफी हद तक निर्भर माना जा रहा है। दरअसल हिमाचल में पत्रकारों से बात करते हुए कंगना ने कहा , 'मुझे पता है कि यह बयान विवादास्पद हो सकता है लेकिन तीन कृषि कानूनों को वापस लाया जाना चाहिए। किसानों को खुद इसकी मांग करनी चाहिए। इन्ही कानूनों के खिलाफ किसानों ने जबर्दस्त आंदोलन किया था। लिहाजा भाजपा ने कंगना के बयान से किनारा कर कहा कि यह पार्टी का बयान नहीं है। वहीं अब रनौत ने अब यू-टर्न लेते हुए एक वीडियो जारी कर कहा कि मैं कृषि कानूनों के संबंध में अपनी पार्टी के साथ खड़ी हूं और अपने शब्द वापस लेती हूं।
एलजेपी प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कंगना के बयान पर कहा, 'ये कंगना का पर्सनल स्टेटमेंट हो सकता है, दिल्ली कांग्रेस चीफ देवेंद्र यादव ने सवाल उठाते हुए कहा, ÷सोचने का सवाल है कि कंगना रनौत को कौन बढ़ावा दे रहा है? इस महिला ने पहले किसानों को आतंकवादी कहा था।

किसानों का अपमानः जद यू लीडर केसी त्यागी ने कहा कि कंगना रनौत का बयान किसानों का अपमान है, भाजपा को कार्रवाई करनी चाहिए। रनौत ने कहा, किसान कानूनों पर मेरे विचार निजी हैं और वे उन विधेयकों पर पार्टी के रुख का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

कश्मीर में मतदान के दूसरे चरण में वोटिंग की तेज रफ्तार, 30%

श्रीनगर , एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में आज 6 जिलों की 26 विधानसभा सीटों पर सुबह से दोपहर दो बजे तक करीब तीस फीसद मतदान हो गया है। शाम छह बजे तक वोट डाले जा सकेंगे। सुबह नौ बजे तक 10.22 फीसदी वोटिंग हुई थी। सबसे ज्यादा पुंछ में 14.41 प्रतिशत वोटिंग हुई, श्रीनगर में सबसे कम 4.70त वोट डाले गये। 26 सीटों में से 15 सीटें सेंट्रल कश्मीर और 11 सीटें जम्मू की हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, दूसरे फेज में 239 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला गांदरबल और बीरवाह से चुनाव लड़ रहे हैं। उमर लोकसभा चुनाव में बारामुला सीट तिहाड़ जेल से चुनाव लड़े इंजीनियर राशिद से हार गए थे। आकलनों के मुताबिक मतदान के दूसरे चरण में कांग्रेस और एनसी का गठबंधन ज्यादा प्रभावी हो सकता है।

इजरायल हमले में हिजबुल्लाह के टॉप कमांडर की मौत

बेरूत, एजेंसी।

इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच तनातनी तेज हो चली है। दोनों तरफ से मिसाइलें और रॉकेट्स दागे जा रहे हैं। अब हिज्बुल्लाह के टॉप कमांडर इब्राहिम कोबेसी की मौत हो गई है। हिज्बुल्लाह ने कमांडर की मौत की पुष्टि की है। रिपोर्ट के मुताबिक, वह बेरूत के दक्षिणी उपनगर में इजरायली हवाई हमले में मारा गया. यह हमला छह मंजिला इमारत की तीन मंजिलों पर हुआ।एक हफ्ते से भी कम वक्त में बेरूत पर इजरायल का तीसरा हमला था। इजरायल ने कहा कि कोबेसी हिज्बुल्लाह के रॉकेट और मिसाइल यूनिट का टॉप कमांडर था वह कई मिशन का नेतृत्व करता था। इजरायली सैन्य अधिकारियों ने कहा कि कोबेसी इजरायल की तरफ हमले के लिए जिम्मेदार था और उसने साल 2000 में एक हमले की योजना बनाई थी, जिसमें तीन इजरायली सैनिकों का अपहरण कर लिया गया था और उन्हें मार दिया गया था।

मेट्रो एंकर | दो महिलाओं ने किया हंगामा, सोशल मीडिया पर देख रहा देश

पति की फजीहत, चुपचाप देखता रहा पूरा थाना..!

समस्तीपुर , एजेंसी।

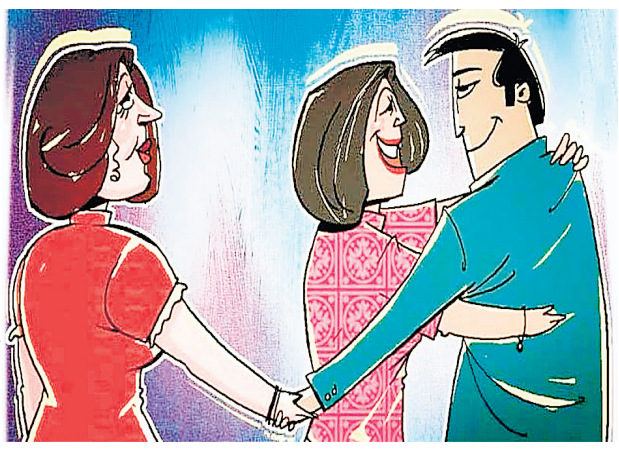

एक पति के लिए दो महिलाओं ने पुलिस थाने में ऐसा झगड़ा किया कि पुलिसवाले भी हक्केबक्के रह गए। कथित पति की हालत भी देखने लायक लग रही है। सोशल मीडिया इस घटना को जमकर वायरल कर रहा है। वैसे इस तरह के मामले कई राज्यों में पहले भी आते रहे हैं। प्रो मटुकनाथ का उनकी तब की प्रेमिका व पत्नी के बीच का विवाद व मारपीट देशभर में सुर्ख हुई थी। बहरहाल ताजा मामला मामला बिहार के समस्तीपुर जिले का है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यहां दो महिलाएं एक ही शख्स को अपना पति बताती नजर आ रही हैं और दोनों महिलाएं उस शख्स को लेकर अपना-अपना दावा भी ठोक रही हैं। इस संघर्ष में उस शख्स को दोनों महिलाएं अपनी-अपनी तरफ खींचती हुई नजर आ रही हैं। इन सबके बीच टाउन थाना परिसर में पुलिसकर्मी भी बेचारगी की मुद्रा में हैं। इस लड़ाई के दौरान पुलिस वालों को भी समझ नहीं आ रहा था कि वो आखिर करें तो क्या करें। रिपोर्ट के मुताबिक एक महिला उस शख्स का कॉलर पकड़ कर कहती हैं, जबकि दूसरी महिला का दावा था कि वो उसी की जाति का है और दोनों के बीच शादी हुई है। इस पूरी नोंक-झोंक के दौरान वो शख्स चुपचाप खड़ा नजर आ रहा है। बताते हैं कि पहली पत्नी के रहते उसने अंतर्जातीय विवाह कर लिया। पुलिस ने दोनों को कागजात लाने को कहा। फिलहाल, इस बात का खुलासा नहीं हो पाया है कि दोनों महिलाएं और यह शख्स के इस मामले में किसका दावा झूठ है और किसका दावा सच। लेकिन इस घटना की काफी चर्चा है।

40 महिलाओं का पति..रूपचंद !

हालांकि कुछ समय पहले भी बिहार से एक ऐसा ही चौंकाने वाला मामला सामने आया था। तब अरवल जिले में 40 महिलाओं का पति एक ही पुरुष था। दरअसल, एक मोहल्ले में जातीय जनगणना के दौरान 40 महिलाओं से जब पूछा गया कि उनके पति का नाम क्या है? तो इन सभी का जवाब था रूपचंद। पूरा मामला अरवल नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 7 के रेड लाइट एरिया का था। महिलाओं के आधार कार्ड पर भी पति का नाम रूपचंद लिखा हुआ पाया गया था। बाद में पता चला कि रूपचंद कोई आदमी नहीं है. इस इलाके के लोग पैसे को रूपचंद कहते हैं।

नर्मदापुर में जमकर बरस रहा मानसून, भोपाल में सुस्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में लो प्रेशर एरिया के असर से अगले तीन दिन तेज बारिश का दौर बना रहेगा। नर्मदापुरम के पिपरिया और बालाघाट में बुधवार सुबह से बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने इंदौर, उज्जैन-जबलपुर समेत प्रदेश के 31 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। जबकि बैतूल, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, धार, सिवनी और पांढुर्णा में भारी बारिश का %ऑरेंज% अलर्ट है। सीहोर, खंडवा, झाबुआ, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, छिंदवाड़ा, मंडला और बालाघाट में भारी बारिश हो सकती है। भोपाल समेत बाकी जिलों में गरज-चमक और हल्की बारिश होने का अनुमान है।

सड़क पर हर तरफ धूल

1

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मेट्रो के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्य से हर तरफ धूल ही धूल नजर आ रही है। वहीं सड़कों की हालत भी खराब हो चुकी है इससे भी धूल ज्यादा हो रही है। ऐसे में लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ लोग घर से मास्क लगाकर भी निकल रहे हैं।

2

3

राजधानी के तीनों रेलवे स्टेशन पर चैकिंग

बिना टिकट मुसाफिरों से रेलवे ने 'कमाए' दो करोड़

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रेलवे ने बिना टिकट के ट्रेनों में सफर करने वाले 38 हजार से ज्यादा मुसाफिरों को पकडकर इनसे से एक महीने में 1 करोड़ 89 करोड़ रुपए 'कमा' लिए। यानि बतौर जुर्माना यह राशि वसूल की गई। रेलवे ने यात्रियों को समझाइश दी है कि वे बिना टिकट ट्रेनों में सफर न करें। प्लेटफार्म पर जाने के लिये भी टिकट भी जरूर लें। जानकारी के मुताबिक अगस्त महीने में भोपाल, संत हिरदाराम, रानी कमलापति समेत भोपाल मंडल के रेलवे स्टेशनों पर टीमों ने चेकिंग अभियान छेड़ा था। इस दौरान बिना टिकट, बिना बुक कराए सामान के मामलों में कार्रवाई की गई। ऐसा ही दौर सितंबर में भी चल रहा है। इसके आंकडे भी कुछ समय बाद जारी होंगे।

जानकारी के मुताबिक जांच के दौरान बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों के 18373 मामले पकड़े गए। जिनसे किराया एवं बतौर जुर्माना सहित 1 करोड़ 6 लाख रुपए वसूले गए। अनियमित टिकट यात्रियों के 19646 मामले पकड़े गए। जिनसे किराया एवं बतौर जुर्माना सहित 82 लाख 57 हजार रुपए वसूला गया। इसी प्रकार बिना बुक कराए सामान के साथ यात्रा करने के 198 मामले पकड़े गए। जिनसे 38 हजार 385 रुपए की वसूली की गई।

यात्री टिकट लेकर ही यात्रा करें

रेलवे के अनुसार यात्री टिकट लेकर ही यात्रा करें। प्रतीक्षा सूची के ई-टिकट पर यात्रा करने की अनुमति नहीं है। इसी प्रकार प्लेटफॉर्म टिकट भी यात्रा के लिए अनुमति नहीं है। इसलिए प्रतीक्षा सूची ई-टिकट और प्लेटफॉर्म टिकट लेकर यात्रा न करें। स्टेशन प्लेटफॉर्म पर प्रवेश के लिए यात्रा टिकट या प्लेटफॉर्म टिकट होना आवश्यक है। यात्रा से पूर्व अपने सामान को बुक कराएं। ताकि, यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बोरवन पार्क में लौटी रौनक, सुबह टहलने पहुंचे लोग

सियार की दहशत के चलते बंद किया गया था पार्क को

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो

सियारों का झुंड दिखने के बाद से बंद बोरवन पार्क केवल एक घंटे खुलेगा। बोरवन क्लब व पार्क में रोज टहलने आने वाले 12 दिनों से पिंचरे लगे होने के बाद भी एक भी सियार पकड़ में न आने के बाद पार्क को घूमने के लिए खोलने की मांग कर रहे थे। बता दे पार्क को वन विभाग ने लोगों के बंद कर दिया था और चेतावनी का बोर्ड लगा दिया था। इसके बाद हर रोज पार्क में टहलने आने वाले सैकड़ों लोग लंबे समय तक सियारों को किसी तरह का मूव्हमेंट न होने पर खोले जाने की मांग कर रहे थे। लोगों की मांग पर वन विभाग ने सुबह सात से आठ बजे तक पार्क को लोगों के लिए

खोलने का फैसला लिया है। इस समयावधि के बाद प्रवेश बंद रहेगा। बोरवन क्लब के जगदीश आसवानी ने बताया कि जिस तरह की आशंका के कारण पार्क में टहलना बंद किया था, वह खत्म हो गई है। एक बार झुंड दिखने के बाद किसी तरह का मूव्हमेंट नहीं देखा गया है। हमने वन विभाग के अधिकारियों से बात की थी, इसके बाद अभी एक घंटे सुबह सात से आठ बजे तक लोग बोरवन में जा सकेंगे। मंगलवार को पार्क का ताला खुलने के बाद बड़ी संख्या में सुबह टहलने वाले पहुंचे। हालांकि अभी वन विभाग की सियारो को लेकर निगरानी बनी हुई है, सोमवार को पार्क का जायजा लेने के बाद पिंचरे की जगह बदली गई है और एक पिंचरा और बढ़ाया गया है।

'चालीसा का पाठ से आती है सकारात्मकता'

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर के दीपमाला पागारानी संस्कार विद्यालय में हर मंगलवार को प्रार्थना सभा में हनुमान चालीसा के पाठ भी होता है। डे? साल पहले विद्यालय ने हर मंगलवार हनुमान चालीसा पाठ शुरू किया था, जिसमें हर मंगलवार बच्चों के साथ विशिष्ठजन भी पाठ करने पहुंचते हैं। इस क?ी में मंगलवार को प्रार्थना सभा में संत नरेश पारदासानी, संस्था के सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, समाजसेवी राज सिंघानिया ने एक हजार बच्चों के साथ चालीसा पाठ किया। इस अवसर पर चेलानी ने कहा कि हनुमान चालीसा का पाठ करने से नकारात्मकता दूर होती है और सकारात्मकता का संचार होता है।

पारदासानी ने कहा कि आज हमने शिवजी के 11वे रूद्र अवतार हनुमान जी

का पाठ किया, वाल्मीकि रामायण में सुन्दर काण्ड, बालकाण्ड, उत्तर काण्ड आदि काण्ड है, लेकिन इन सभी में सुन्दरकाण्ड का अधिक महत्व है क्यों कि सुन्दर काण्ड में हनुमान जी की प्रशंसा हुई थी।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर. के. मिश्रा, उपप्रचार्या मीनल नरयानी, एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाएँ उपस्थित होकर बच्चों के साथ हनुमान चालीसा का पाठ किया।

पत्रकारिता विवि के कुलगुरू को विदाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल ~माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के निवर्तमान कुलगुरु प्रो.(डॉ.)के.जी.सुरेश का सम्मानङ्कसहङ्कविदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्षगणों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों ने गुलदस्ता, फूलमाला और स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका सम्मान किया। इस मौके पर स्टॉफ के सदस्यों ने अपने विचार भी व्यक्त किए और प्रो. सुरेश के चार साल के कार्यकाल को बेमिसाल बताते हुए की प्रसंशा की। प्रो. सुरेश के कार्यकाल पर एक डॉक्यूमेंट्री भी सभागार में दिखाई गई। समारोह के इस भावनात्मक क्षण को संबोधित करते हुए प्रो. सुरेश ने कहा कि वे इसे फेयरवेल नहीं मानते बल्कि इंटरवल मानते हैं ।उन्होंने कहा कि इस अवसर पर दो व्यक्तिगत घोषणाएं भी की। उन्होंने पुस्तकालय विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. आरती सारंग को एक लाख पच्चीस हजार रुपए की पुस्तकें भेंट की। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के प्रतिभाशाली बच्चों को सबसे अधिक नंबरों से उत्तीर्ण होने पर स्वर्ण पदक दिए जाने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस दौरान विश्वविद्यालय की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई। विवि. स्वयं के परिसर माखनपुरम बिशनखेड़ी में शिफ्ट हुआ । रीवा परिसर अपने नवीन भवन में शिफ्ट हुआ। टॉप टेन की रेटिंग में विश्वविद्यालय पहली बार आया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू किया गया।

भारत भवन में सिन्धी नाट्य समारोह 28 और 29 सितंबर को

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भारत भवन में 28 सितंबर से द्वितीय अखिल भारतीय सिन्धी नाट्य समारोह का आयोजन किया जाएगा। दो दिवसीय समारोह में भोपाल के सिंधी रंग समूह और सिंधु दर्पण संस्थाओं सहित जयपुर, मुंबई, इंदौर, नागपुर के नाटक दल आ रहे हैं। इस साल फेस्टिवल में छह नाटक मंचित हो रहे हैं। सिन्धी साहित्य अकादमी की ओर से भारत भवन के सहयोग से यह समारोह जाने माने लेखक स्व सुंदर अगनानी,जयपुर की स्मृति में हो रहा है, जिसका संयोजन सिंधी रंग समूह द्वारा किया गया है। समारोह के संयोजक मनोहर अगनानी ने बताया कि समारोह में रोज तीन हास्य नाटक खेले जाएंगे। सिंधी भाषा में तैयार ये नाट्य प्रस्तुतियां शाम 6 बजे से शुरू होंगी। समारोह में प्रतिभागी निर्देशकों के साथ ही स्व सुंदर अगनानी सम्मान-2024 से चयनित ड्रामा डायरेक्टर जूली तेजवानी,मुंबई को सम्मानित किया जाएगा। गत वर्ष स्व सुंदर अगनानी स्मृति प्रथम सिंधी नाट्य समारोह रविंद्र भवन में हुआ था।

एनएसयूआई ने शुरू किया कैंपस चलो अभियान

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई द्वारा प्रदेशस्तरीय कैंपस चलों अभियान का आगाज किया गया है। उसके बाद से ही सभी जिलों के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में एनएसयूआई के पदाधिकारी व कार्यकर्ता चरणबद्ध तरीके से कैंपस चलों अभियान को चला रहे हैं। सभी जिलों में जिला अध्यक्ष व समस्त पदाधिकारी कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपे जा रहे हैं। कैंपस चलो अभियान के माध्यम से छात्र मांग पत्र को लेकर प्रदेशभर के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में एनएसयूआई एक-एक छात्रों के बीच पहुंच कर एनएसयूआई के छात्र मांग पत्र की विस्तृत जानकारी दी गई हैं।

समाजसेवी मेघानी का सिंधी पंचायत ने मनाया जन्मदिन

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो

वरिष्ठ समाजसेवी व पत्रकार हरीश मेघानी का जन्मदिन सिंधु नव जागरण समिति, पूज्य सिंधी पंचायत, स्वामी शांतिप्रकाश धर्मशाला ट्रस्ट व सिंधु जागृति सेवा समिति ने मनाया। स्वामी शांतिप्रकाश धर्मशाला में हरीश मेघानी का शाल व फूल मालाओं से स्वागत कर केक काटकर मनाया गया। इस अवसर पर पार्षद अशोक मारण, ट्रस्ट के अध्यक्ष माधू चांदवानी, पंचायत उपाध्यक्ष नंद दादलानी, समिति अध्यक्ष राम पारदासानी, उप ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी ने बधाई दी। मेघानी ने पत्रकार के तौर संत नगर की समस्याओं को उठाने की बात कही। इस अवसर पर पंचायत कोषाध्यक्ष गुलाब जेठानी ने गीत पेश किया।

मेट्रो एंकर

संत कॉलेज राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस समारोह

'स्वच्छता ही सेवा है' थीम पर मनाया जा रहा एनएनएस डे

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज ने मंगलवार को राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस समारोह मनाया गया। इस वर्ष की थीम 'स्वच्छता ही सेवा' है, जो 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाला अभियान है। इस आयोजन का उद्देश्य स्वच्छता और सामुदायिक सेवा के महत्व को बढ़ावा देना था, जो राष्ट्रीय स्वच्छ भारत अभियान के अनुरूप है। कई गतिविधियों के साथ चिह्नित किया गया, जिनमें स्वच्छ और हरे-भरे भारत के संदेश को फैलाने के लिए एक जागरूकता रैली भी शामिल थी। अपने स्वागत भाषण में, प्राचार्य डॉ. डालिमा परवानी ने कहा कि एनएसएस की भावना हमारे संस्थान के सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र-निर्माण के दृष्टिकोण के साथ बहुत करीब से जुड़ी है। बरकत्तउल्लाह विश्वविद्यालय एनएसएस इकाई के समन्वयक डॉ. अनंत सक्सेना और ओपन यूनिट के समन्वयक डॉ. राहुल सिंह परिहार ने अपने संदेशों में एनएसएस दिवस के महत्व पर जोर दिया, जो हर साल छात्रों में निस्वार्थ सेवा की प्रेरणा देने के लिए मनाया जाता है। उन्होंने छात्रों से इस वर्ष के थीम ÷स्वच्छता ही सेवा÷ को समर्पण के

साथ अपनाने का आग्रह किया, ताकि उनके प्रयासों से स्वच्छता की दिशा में ठोस और दीर्घकालिक परिवर्तन हो सके। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मीना बरसे ने कहा छात्राएं अपने प्रयासों का उचित दस्तावेजीकरण कर लें। कार्यक्रम का समापन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रो. विभा खरे द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने छात्रों और स्टाफ के सामूहिक प्रयासों की सराहना की, जिससे इस दिन को सफल बनाया जा सका।

अब कैपिटल से मेट्रोपोलिस की ओर बढ़ रहा भोपाल

मनोज मीक

हाल में भोपाल को अधिक समृद्ध और आधुनिक बनाने के उद्देश्य से, राज्य सरकार ने 'भोपाल कैपिटल रीजन' (बीसीआर) की योजना बनाना पुनः शुरू की है। राजा भोज की स्थापत्य वेद आधारित नगर विकास योजना पर भोपाल को कैपिटल से मेट्रोपोलिस बनाना ही राजा भोज को यही श्रद्धांजलि होगी। मेट्रोपोलिस का विकास केवल शहरी विस्तार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह क्षेत्र के समग्र विकास को प्रोत्साहित करता है। इस योजना के तहत राजधानी भोपाल के आसपास के जिलों और क्षेत्रों को एकीकृत कर एक बड़े राजधानी क्षेत्र का विकास प्रस्तावित है। परियोजना का उद्देश्य भोपाल को एक विश्वस्तरीय राजधानी क्षेत्र के रूप में विकसित करना और साथ ही आसपास के क्षेत्रों के संतुलित और समग्र विकास को बढ़ावा देना है। इसमें प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों, शहरी और ग्रामीण विस्तार, और बुनियादी ढांचे के विकास को शामिल किया गया है। हालाँकि भोपाल विकास योजना पिछले 20 साल से उपेक्षित रही है।

सड़क और परिवहन नेटवर्क

- **भोपाल** में वर्तमान में बस रैपिड ट्रांजिट (बीआरटीएस) की विफलता के बाद यातायात के दबाव वाले अनेक मार्गों और भौतिक बाधाओं पर फ्लाई ओवर, आरओबी, ब्रिज और अंडर पास की जरूरत है। मेट्रो रेल का पहला चरण 2026 तक पूरा होने की योजना है, जिसमें 28 स्टेशन और 105 किमी का नेटवर्क शामिल है। मेट्रो रेल और उक्त रोड इंफ्रा मिलकर यातायात जाम को कम कर सकते हैं।
- **उन्नत रिंग रोड:** भोपाल में एक भी रिंग रोड नहीं है। शहर के चारों ओर रिंग रोड का विकास यातायात को व्यवस्थित करने के लिए आवश्यक है। इनर और आउटर रिंग रोड़ों का विकास किया जाए इसके साथ ही प्रमुख स्टेट रोड, हाईवे, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर और एक्सप्रेसवे का विस्तार भी होना चाहिए।
- **सेटेलाइट शहरों का विकास:** रायसेन, मंडीदीप, ओबेदुल्लागंज, इछावर, सिहोर, बैरसिया, सांची और राजगढ़ जैसे निकटवर्ती क्षेत्रों में उपग्रह नगरों का विकास, जो भोपाल पर जनसंख्या और यातायात के दबाव को कम करेगा और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देगा।

लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग

भोपाल और इंदौर में एक बहु-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क स्थापित किया जा रहा है, जो माल ढुलाई और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को आसान बनाएगा। आधुनिकतम भोपाल मास्टरप्लान 2047 के तहत नए आवासीय और वाणिज्यिक क्षेत्रों की योजना बनाई जा रही है। इसमें नए उप-शहरों की योजना शामिल है, जो भविष्य की जनसंख्या वृद्धि और शहरीकरण को संभालने में सक्षम होंगे।

ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट्स

सांची को 'नेट जीरो कार्बन' अवधारणा पर विकसित किया जा रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा और हरित प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया जाएगा। इसके साथ ही नर्मदापुरम में नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों के निर्माण के लिए एक विशेष क्षेत्र विकसित किया जा रहा है। वहीं सांची, भीमबेटका और भोजपुर जैसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों को भी पर्यटन सर्किट में शामिल किया जाएगा। इससे न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी सुदृढ़ किया जा सकेगा।

आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों का महत्व

700 एकड़ में फैला यह क्षेत्र मुख्य रूप से बीएचईएल की सहायक इकाइयों के लिए प्रसिद्ध है! सूचना प्रौद्योगिकी और तकनीकी आधारित उद्योगों के लिए सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।इसी तरह मंडीदीप औद्रिक क्षेत्र (रायसेन)-751 हेक्टेयर में है। 50,000 से अधिक लोग कार्यरत हैं। यह मध्यप्रदेश का बड़ा औद्योगिक क्षेत्र है। अचारपुरा 146.334 हेक्टेयर में फैला हुआ है तो बागरोदा में विभिन्न उद्योगों के लिए 400 से अधिक इकाइयाँ हैं। फिर तोमोट में प्लास्टिक पार्क का 176 हेक्टेयर क्षेत्र है। पीलूखेडी औद्योगिक क्षेत्र 155 हेक्टेयर में है और छोटे और मध्यम उद्योगों का एक नेटवर्क है। बुदनी क्षेत्र में मुख्य रूप से वस्त्र, कृषि उपकरण और मशीनरी का निर्माण होता है। हाल में बेरसिया औद्योगिक क्षेत्र मंजूर हुआ है। अष्टा झिलेहा 99.43 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा है।

सर्वश्रेष्ठ मॉडल और सुझाव

- **दिल्ली-एनसीआर:** दिल्ली को घेरे हुए कई शहरों (गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद) को एकीकृत विकास के लिए शामिल किया गया है। यहां बहु-मॉडल परिवहन, आवासीय और वाणिज्यिक क्षेत्रों का सुनियोजित विस्तार किया गया है। इसमें मेट्रो, रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम, स्मार्ट सिटी परियोजनाएं, और वर्ल्ड क्लास हवाई अड्डा।
- **भोपाल के लिए सीख:** भोपाल को रायसेन, राजगढ़, सिहोर, मंडीदीप और सांची जैसे शहरों के साथ मिलाकर एकीकृत राज्य कैपिटल रीजन बनाया जा सकता है। बहु-मॉडल परिवहन प्रणाली और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को बढ़ावा देना चाहिए।
- **मुंबई महानगर क्षेत्र:** विकास मॉडल- मुंबई को जोड़ने वाले ठाणे, नवी मुंबई, वसई-विरार जैसे क्षेत्रों का एकीकृत विकास किया गया है। यहां परिधीय सड़कों, मेट्रो नेटवर्क और जलमार्गों के माध्यम से यातायात को सुगम बनाया गया है। यहां मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक, मुंबई मेट्रो, नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट, और विभिन्न एक्सप्रेसवे है।
- **भोपाल के लिए सीख:** भोपाल के आसपास के क्षेत्रों को जोड़ने के लिए रिंग रोड और एक्सप्रेसवे का निर्माण, हवाई और रेल कनेक्टिविटी का विस्तार, और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना चाहिए। इसके अलावा शंघाई, चीन, सिंगापुर,वाशिंगटन डी.सी जैसे क्षेत्रो के उदाहरण भी सामने रखे जा सकते हैं।

अब क्या हो आगे...

विभिन्न क्षेत्रों में विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) और औद्योगिक क्लस्टर का विकास, जो निवेशकों और उद्योगपतियों को आकर्षित कर सके। मेट्रो, रिंग रोड, एक्सप्रेसवे और हवाई अड्डे का विस्तार, जिससे शहरी और औद्योगिक क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी में सुधार हो। डिजिटल सेवाओं, स्मार्ट ग्रिड, और ई-गवर्नेंस का विकास, जिससे भोपाल एक आधुनिक और स्मार्ट शहर के रूप में स्थापित हो सके।

संक्रमणीय विकास

मेट्रो और बस नेटवर्क के साथ जुड़े क्षेत्रों में उच्च घनत्व विकास की योजना बनाई जानी चाहिए। ट्रैफिक मैनेजमेंट, स्मार्ट पार्किंग, और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए ड्रोन्स का उपयोग किया जाना चाहिए। शहर की हरित क्षेत्रों और झीलों की रक्षा के लिए कठोर कदम उठाने चाहिए और इनके संरक्षण के लिए नीतियाँ बनानी चाहिए। इस प्रकार, भोपाल स्टेट कैपिटल रीजन की योजना से न केवल राज्य की राजधानी को एक नई दिशा मिलेगी, बल्कि यह मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रमुख आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। बशर्ते समयबद्ध विश्वस्तरीय योजनाएं बनें।

सोयाबीन खरीदी की नीति को मंजूरी, 25 अक्टूबर से शुरू होगी खरीदी

बोनस नहीं देगी सरकार, लेकिन सोयाबीन खरीदी का 2 से 7 दिन में होगा भुगतान

भोपाल, दोपहर मेट्रो। समर्थन मूल्य पर सोयाबीन की खरीदी 4892 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से होगी। यह भुगतारन 2 से 7 दिन के भीतर होगा। इसके अतिरिक्त किसानों को कोई राशि नहीं मिलेगी। सरकार ने खरीदी नीति बनानते समय यह तब तय किया है जब प्रदेश भर में लगातार किसान सोयाबीन के दाम बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। नीति के तहत सोयाबीन की खरीदी 1400 केंद्रों पर होगी जो यह 25 अक्टूबर से शुरू होगी और 31 दिसंबर तक चलेगी।

किसानों को प्रति क्विंटल 4892 रुपये मिलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में सरकार ने उक्त नीति को मंजूरी दी है। असल में केंद्र ने मप्र को 13.68 लाख मीट्रिक टन सोयाबीन खरीदी की मंजूरी दी है। उक्त मात्रा तक होने वाली खरीदी का पूरा खर्च केंद्र सरकार उठाएगी। यदि केंद्रों पर आवक बढ़ती है तो ऐसी स्थिति में राज्य सरकार खरीदी की अतिरिक्त मात्रा का भुगतान करेगी। यह पूरी व्यवस्था खरीदी के लिए नोडल एजेंसी मार्कफेड द्वारा की जाएगी। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने यह जानकारी दी। बता दें कि मप्र में 58 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में सोयाबीन की बुआई हुई है। एक अनुमान के मुताबिक उत्पादन 60 लाख मीट्रिक टन से अधिक होने का है।

शिप्रा को शुद्ध करने के लिए 321.28 करोड़ रुपए बढ़ाए

मोहन सरकार ने सिंहस्थ 2028 को देखते हुए कान्ह डायवर्शन डक्ट परियोजना की लागत में 321.28 करोड़ की वृद्धि को भी मंजूरी दी है। अब उक्त परियोजना पर 919.94 करोड़ खर्च किए जाएंगे। पूर्व में 598 करोड़ 66 लाख खर्च किए जाने की अनुमति दी थी। पूर्व में परियोजना की लंबाई 16.70 किमी थी। जिसके एलाइनमेंट में बदलाव किया गया है, जिसके कारण लंबाई बढ़कर 18.5 किमी हो गई है, इसलिए राशि बढ़ाई है। यह काम सिंहस्थ 2028 के पहले साल 2027 के अंत तक पूरा किया जाना है।

12 साल बाद 45 परिवहन आरक्षकों की नियुक्ति निरस्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

व्यापमं घोटाला उजागर करने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव और के.के.मिश्रा ने व्यापमं के माध्यम से हुई परिवहन आरक्षक भर्ती परीक्षा-2012 में हुई अनियमितता से संदर्भित एक विशेष अनुमति याचिका पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित आदेश दिनांक के परिपालन में मप्र सरकार द्वारा 12 साल बाद अवैध 45 नियुक्तियों को निरस्त किए जाने का खुलासा करते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री व वर्तमान केंद्रीय कृषिमंत्री शिवराजसिंह चौहान और तत्कालीन परिवहन मंत्री,मौजूदा उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा से नैतिकता के नाते त्यागपत्र की मांग की है। मिश्रा ने बताया कि शिवराज-सरकार के दौरान विभिन्न श्रेणी के पदों हेतु भर्ती एवं व्यावसायिक संस्थानों में प्रवेश के लिए कुल 168 परीक्षाएं आयोजित की गई,जिसमें 1 लाख 47 हज़ार परीक्षार्थियों ने हिस्सा लिया था। शासकीय विभागों-उपक्रमों के अलावा लोक सेवा आयोग की परीक्षाएं इसमें शामिल नहीं थी। मिश्रा ने कहा कि %इन विभिन्न परीक्षाओं में हुए प्रामाणिक भ्रष्टाचार,घपलों, घोटालों को कांग्रेस पार्टी के मुख्य प्रवक्ता ने रूप में मैंने ही 21 जून,2014 को उजागर किया था,इसमें परिवहन आरक्षक परीक्षा भर्ती घोटाला भी शामिल था। कांग्रेस का आरोप था कि इसमें बिना किसी सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति बग़ैर स्वीकृत 198 आरक्षकों की भर्ती के विरुद्ध 332 आरक्षकों का चयन कर लिया गया, आरक्षण व महिला आरक्षकों के आरक्षण का पालन न करते हुए तत्कालीन परिवहन मंत्रालय ने तो बाक़ायदा चयनित परिवहन आरक्षकों को उनके फ़िज़िकल टेस्ट भी न कराए जाने बाबत एक सरकारी पत्र भी जारी किया ?

शहीदों के परिवार व दिव्यांग सैनिकों को एक-एक करोड़ रुपए देगी सरकार

सैनिकों और उनके परिवार के कल्याण के लिए सरकार ने लिए कई अहम फैसले

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सैनिकों, उनके परिवार के सदस्यों और शहीदों के परिवार के लिए मोहन सरकार ने अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए उन्हें दिए जाने वाले लाभों में बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। अब सैनिकों के युद्ध या युद्ध के लिए जाते हुए और अन्य कारणों से हादसों में शहीद होने पर उनके परिवार के सदस्यों को 1 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। सैन्य कार्रवाही में दिव्यांग होने वाले सैनिकों को 10 लाख की जगह 1 करोड़ रुपये मिलेंगे। राज्य सैनिक कल्याण बोर्ड की बैठक में ये निर्णय लिए गए। यह बैठक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्क्षता में हुई थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उक्त बैठक में मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस एक नवम्बर पर सेना द्वारा विशेष शो नो अवर आर्मी आयोजित करने व भोपाल में वायुसेना द्वारा एयर-शो के लिए भी तिथि निर्धारित करने के निर्देश दिए गए। मध्य भारत क्षेत्र के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल जबलपुर पीएस शेखावत, ब्रिगेडियर एसएन तिवारी प्रतिनिधि कमांडिंग-इन-चीफ मध्य कमान लखनऊ, पदेन सचिव राज्य सैनिक बोर्ड ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) अरूण नायर सहित राज्य के प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे। प्रदेश में करीब 70 हजार भूतपूर्व सैनिक, 30 हजार वर्तमान सैनिकों के साथ ही सैनिक परिवारों के सदस्यों की संख्या मिलाकर लगभग 4 लाख लोग निवास कर रहे हैं। प्रदेश में 24 जिला सैनिक कार्यालय कार्यरत हैं। सैनिकों की रहवास सुविधा के लिए 17 आराम गृह भी संचालित हैं।

बोर्ड में ये निर्णय भी लिए

— शहीदों के माता-पिता को मिलने वाला मासिक अनुदान दोगुना होगा।
— शहीद और दिव्यांग सैनिकों की बहन और बेटी के विवाह के लिए 10 हजार के स्थान पर 51 हजार रुपये दिए जाएंगे।
— ऐसे सैनिक परिवार, जिनके माता-पिता मध्यप्रदेश के निवासी हैं और उनकी पुत्री सशस्त्र सेना में हैं उन्हें भी प्रतिवर्ष 10 हजार के स्थान पर दोगुनी सम्मान निधि दी जाएगी।

उच्च शिक्षा विभाग ने यूजी में दाखिले के लिए चौथी बार बढ़ाई नवीनीकरण की तारीख

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उच्च शिक्षा विभाग ने यूजी दूसरे, तीसरे और चौथे वर्ष में प्रवेश नवीनीकरण की तारीख को एक बार फिर बढ़ा दिया है। यह चौथी बार है जब तारीख बढ़ाई गई है। इस अवधि में लगभग 2 लाख विद्यार्थियों ने अगली कक्षा में प्रवेश लिया है। दरअसल, यूजी द्वितीय वर्ष के परिणामों के जारी न होने के कारण कई छात्र प्रवेश लेने में असमर्थ हैं। विभाग ने प्रावधिक एडमिशन की व्यवस्था की है, लेकिन इसके लिए छात्रों को 500 रुपये की फीस देनी होती है। छात्रों को चिंता है कि यदि वे फेल हो गए, तो उनकी फीस वापस नहीं मिलेगी, जिसके कारण वे अगली कक्षा में प्रवेश लेने से हिचक रहे हैं। अब विभाग ने कॉलेजों को 15 दिनों का और समय दिया है, ताकि विद्यार्थी समय पर प्रवेश ले सकें।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने केवी में आयोजित कराई स्पर्धा

भोपाल, दोपहर मेट्रो। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण राज्य कई मध्य प्रदेश द्वारा स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। मैदा मिल स्थित पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय में नारा लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। पीएमसी केंद्रीय विद्यालय क्रमांकित भोपाल के प्राचार्य गौरव द्विवेदी ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से छात्रों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ती है।

मेट्रो एंकर विधायकों के लिए जर्जर रेस्ट हाउस की जगह लग्जरी फ्लैट बनाएगी सरकार

मंत्रियों के बाद अब विस अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष भी स्वयं भरेंगे इनकम टैक्स

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मंत्रियों के बाद अब विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष भी अपनी कमाई से इनकम टैक्स की राशि जमा करेंगे। अभी यह भार सरकार के खजाने पर आ रहा है। इस नियम में बदलाव के लिए मध्यप्रदेश विधानसभा नेता प्रतिपक्ष (वेतन तथा भत्ता) अधिनियम में संशोधन करने संबंधी विधेयक को कैबिनेट बैठक में मंगलवार को सरकार ने अनुमोदन दिया है। जिसे विधानसभा के आगामी सत्र में प्रस्तुत किया जाएगा।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मंत्रियों ने कुछ माह पूर्व ही इनकम टैक्स खुद भरने की इच्छा जताई थी, जिसके बाद अधिनियम में संशोधन भी हो गया है। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने एक जुलाई को सदन में घोषणा की थी कि वे अपना आयकर स्वयं भरेंगे। इस तरह की घोषणा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी की थी। जिसके बाद विधेयक को अनुमोदन दिया गया है।

जर्जर रेस्ट हाउस की जगह लग्जरी फ्लैट मिलेंगे

सत्ता पक्ष का हो या विपक्ष का विधायक, सभी को मोहन सरकार लग्जरी फ्लैट देगी। ये रेस्ट हाउस ही होंगे, जिनका उपयोग विधायकी की दौरान ही किया जा सकेगा। इसके बाद खाली करना पड़ेगा। मोहन सरकार ने 159.13 करोड़ रुपये से नए रेस्ट हाउस बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। विधानसभा के पास स्थित पुराने रेस्ट हाउस वाले स्थान पर ही इनका निर्माण होगा। ये 3-बीएचके फ्लैट आकार के होंगे। जिसमें विधायक परिवार के साथ ठहर सकेंगे। मिलने-जुलने वालों की भी खूब आवभगत कर सकेंगे।अभी विधायकों के लिए विधानसभा के पीछे रेस्ट हाउस है, जो वर्षों जिनका निर्माण 1958 में किया था। ये काफी पुराने हो चुके हैं। इनमें एक कमरे हैं, उसी में एक छोटा हिस्सा अटैच है। इनका आकार वन-बीएचके फ्लैट की तरह है। कई विधायक इनमें ठहरना पसंद नहीं करते। सूत्रों के मुताबिक कुछ विधायकों ने मंत्रियों के जरिए सरकार के संज्ञान में यह बात लाई थी। जिसके आधार पर मुख्यमंत्री ने नए रेस्ट हाउस निर्माण संबंधी प्रस्ताव को कैबिनेट बैठक में शामिल कराया और सहमति मिल गई। उधर, विधायकों के रेस्ट हाउस से पहले मंत्रियों के बंगले बनाए जाने थे। हाउसिंग बोर्ड ने काफी हद तक इसकी तैयारियां कर ली थी। जब इस प्रोजेक्ट में पेड़ कटने की बात आई तो लोग एकजुट हो गए और नगरीय आवास एवं विकास विभाग को कदम पीछे खींचने पड़े।

संपादकीय

पड़ोस की नई हलचल

भारत के पडोसी देशों से संबंध को लेकर कई उतार चढ़ाव लगातार आते रहे हैं। बांग्लादेश के बाद अब श्रीलंका में सत्ता परिवर्तन हुआ है। श्रीलंका में हुए चुनाव के बाद आखिरकार वामपंथी नेता अनुरा कुमारा दिसानायके को 42.31 फीसद मत मिले और मगर दूसरे दौर की गिनती के बाद दिसानायके को वहां के नौवें राष्ट्रपति के रूप में चुन लिया गया। जबकि करीब दो वर्ष पहले श्रीलंका में उपजे आर्थिक संकट के बीच जो हालात पैदा हुए थे, उसके मद्देनजर यह आशंका स्वाभाविक थी कि इस स्थिति से निकलने में देश को शायद काफी वक्त लग जाए। मगर चुनावों के बाद अब वहां एक तरह से नई सत्ता की स्पष्ट तस्वीर उभर कर सामने आई है। दिलचस्प बात तो यह है कि सन 2019 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में दिसानायके को सिर्फ तीन फीसद वोट मिले थे। यानी कहा जा सकता है कि इस बीच श्रीलंका में आर्थिक संकट और बिगड़ती स्थिति के बीच मुख्यधारा के बाकी राजनीतिक पक्षों में से किसी की भी आम लोगों की अपेक्षाओं या उम्मीदों के बीच जगह नहीं बची थी। इस बीच देश से भ्रष्टाचार खत्म करने, मजदूरों की आवाज उठाने और अच्छा प्रशासन देने के दिसानायके के वादे ने एक तरह से अंधेरे में घिरी आम जनता को उम्मीद की रोशनी दी। निश्चित रूप से श्रीलंका के लिए यह एक नई बयार है और उम्मीद की जानी चाहिए कि वह कुछ वर्ष पहले भिन्न धार्मिक पहचान पर आधारित हिंसा से लेकर व्यापक आर्थिक संकट की वजह से पैदा हुए व्यापक अराजक विद्रोह के हालात से आगे की राह पर कदम बड़ाएगा। दिसानायके की जीत को श्रीलंका में नस्लीय या धार्मिक कट्टरता के खिलाफ जनादेश भी कहा जा सकता है। मगर भारत और उसके पड़ोसी देशों की इस बात पर नजर रहेगी कि नई भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच संबंधों के समीकरण में श्रीलंका क्या रुख अख्तियार करेगा। पहले ही इस बात की आशंका जताई जाती रही है कि चीन के कर्ज के जाल में उलझने का असर श्रीलंका के अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों और नीतियों पर पड़ता रहा है। अब वहां वामपंथी विचारधारा के एक नेता के राष्ट्रपति बनने के बाद यह देखने की बात होगी कि श्रीलंका चीन के प्रभाव से किस हद तक मुक्त रह पाता है।माना जाता है कि दिसनायके चीन के प्रति नरमदिल हैं। अपने चुनाव प्रचार के दौरान, दिसानायके ने आम चुनाव में नया जनादेश हासिल करने के लिए 45 दिनों के भीतर संसद को भंग करने का भी वादा किया था। उनकी नीतियों ने उन्हें श्रीलंका की राजनीति में एक प्रमुख नेता के रूप में स्थापित किया है, जो समाज के कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा और विकास के प्रति प्रतिबद्ध हैं. दिसानायके की बढ़त ने श्रीलंका के राजनीतिक परिदृश्य में एक नई उम्मीद जगाई है, खासकर जब देश आर्थिक संकट से जूझ रहा है। हालांकि मार्क्सवादी पृष्ठभूमि और उनका चीन के प्रति झुकाव एक अलग चिंता का विषय है, लेकिन दिसानायके ने स्पष्ट किया है कि वे सभी प्रमुख शक्तियों के साथ संबंधों को मजबूत करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें भारत भी शामिल है। इसलिये भारत को भी सधे हुए कदमों के साथ संबंधों की नयी पहल की जरूरत होगी। भारत के आसपास भले ही छोटे देशों की बहुतायत है लेकिन पडोसी से संबंध यदि बेहतर बने रहें तो बाकी राहें आसान रहती हैं और तनाव से छुटकार भी मिलता है।

पं. दीनदयाल उपाध्याय: स्वावलंबी और समर्थ समाज निर्माण के प्रेरक

■ डॉ. मोहन यादव

25 सितंबर जयंती विशेष

विलक्षण व्यक्तित्व के धनी, ऋषि राजनेता, एकात्म मानव दर्शन तथा अंत्योदय के प्रणेता और हमारे मार्गदर्शकपंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चरणों में कोटिशः नमन। संपूर्ण समाज, मानवता और राष्ट्र के लिये समर्पित श्रद्धेय दीनदयाल जी ने राष्ट्रनिर्माणके लिये जो सूत्र दिये हैं वह भारतीय संस्कृति, परंपरा, देशज ज्ञान और एकात्म पर केंद्रित हैं। श्रद्धेय दीनदयाल जी ने जनसंघ की स्थापना से लेकर अंतिम सांस तक, अपने जीवन को यज्ञ में आहुति की तरह समर्पित किया औरसमग्र कल्याण का दर्शन दिया। इस दर्शन को विश्व एकात्म मानवदर्शन के रूप में जानता है। पंडित जी मौलिक विचारक थे। उनका कहना था कि हमारी विरासत हजारों साल पुरानी है। हमें अतीत से प्रेरणा लेनी है और उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करना है। उनका मानना था, जब समाज आत्मनिर्भर होगा तभी स्वाभिमानी होगा और जब स्वाभिमानी होगा तभी स्वावलंबी होगा।वे कहते थे,हमें देशानुकूल होने के साथ युगानुकूल भी होना है।

मौलिक भारतीय चिंतन के आधार पर विकास के लिये पंडित दीनदयाल जी ने एकात्म मानव दर्शन दिया। एकात्म मानव दर्शन में व्यक्ति के सुख की समग्र परिकल्पना की गई है। इसमें शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा के समन्वय तथा एकात्मता का विचार है। यह दर्शन समस्त मानव के उत्थान पर केंद्रित है। इसमें सहज, सरल और सरस समाज निर्माण का मार्ग है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का सबका साथ, सबका विकास और सबका कल्याण इसी अवधारणा का प्रकटीकरण है। पंडित दीनदयाल जी ने अपने व्याख्यानों में विकास और निर्माण का मंत्र दिया। वे कहते थे, स्वाभिमानी बनो ! अपने पुरुषार्थ से स्वाभिमानी कैसे बना जाये वह इसका भी उल्लेख करते थे। उन्होंने देश-दुनिया को चतुर्पुरुषार्थ की संकल्पना दी।ये पुरुषार्थ हैं धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष। यह चतुर्पुरुषार्थ मन, बुद्धि,आत्मा और शरीर के संतुलन से संभव हैं। इनके द्वारा ही एक आदर्श समाज और आदर्श राष्ट्र का निर्माण हो सकता है।

पहला पुरुषार्थ धर्म है जिसमें शिक्षा, संस्कार और व्यवस्थाहै तो दूसरे अर्थ में साधन, संपन्नता और वैभव आता है। अर्थ उपार्जन सही तरीके से हो, इसके लिये पंडित दीनदयाल जी ने मानव धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। इस तरह धर्मानुकूल, अर्थातउचित मार्ग से अर्थ उपार्जन करने का मार्ग प्रशस्त किया। तीसरा पुरुषार्थ है काम, जिसमें मन की समस्त कामनाएं शामिल हैं। मनुष्य को संतुलित, समयानुकुल और सकारात्मक स्वरूप में कार्य करना चाहिए। चौथा पुरुषार्थ है मोक्ष, अर्थातसंतोष की परम स्थिति। यदि व्यक्ति संतोषी होगा तो वह समाज और राष्ट्र निर्माण का आधार बन सकता है। इन चार पुरुषार्थोंकी अवधारणा के अनुसार,यदि व्यक्ति और समाज को विकास के अवसर दिये जायें तो स्वावलंबी और समर्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है। इस समाज की परिकल्पना हमारे वेदों में की गई है। यही पंडित दीनदयाल जी की एकात्म मानव दर्शन की मूल अवधारणा है।

पंडित दीनदयाल जी की स्वावलंबी समाज निर्माण की अवधारणा को हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी विश्वकर्मा योजना, आत्मनिर्भर भारत, स्टार्टअप इंडिया, वोकल फॉर लोकल, एक भारत श्रेष्ठ भारत आदि योजनाओं के माध्यम से धरातल पर लाने को प्रयासरत हैं। इन योजनाओं ने समाज को सशक्त बनाया और हर जन की अंतरात्मा को पुरुषार्थ करने के लिये प्रेरित किया है।

अंत्योदय अर्थात समाज के सबसे अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का कल्याण। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने अंत्योदय के लिये जो मार्ग बताया था, वह माननीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में धरातल पर दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी गांव, गरीब, किसान, वंचित, शोषित, युवा और महिलाओं के कल्याण के लिये संकल्पित हैं। देश के गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन में सामाजिक सुरक्षा, मुद्रा, जनधन, उज्ज्वला, स्वच्छता मिशन, शौचालय निर्माण, दीनदयाल ग्राम ज्योति, प्रधानमंत्री आवास, जन औषधि केंद्र तथाआयुष्मान भारत जैसीजनकल्याणकारी योजनाओं से अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है।

मुझे यह बताते हुए संतोष है कि हम समाज के सभी वर्गों की सहभागिता के साथ, सबके विकास को ध्यान में रखते हुए कार्य कर रहे हैं।प्रदेश में प्रत्येक स्तर पर त्वरित पारदर्शी उत्तरदायी तथा संवेदनशील शासन व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से हम हर जन के कल्याण और प्रदेश के विकास के लिये चार मिशन, युवा शक्ति मिशन, गरीब कल्याण मिशन, किसान कल्याण मिशन और नारी सशक्तिकरण मिशन बनाकर काम करने जा रहे हैं। इससे युवा, गरीब, किसान और महिलाओं के समग्र विकास पर कार्य किया जायेगा। यह मिशन पंडित दीनदयाल जी के अंत्योदय कल्याण के लक्ष्य पूर्ति में सहभागी बनेंगे। मध्यप्रदेश में गरीब कल्याण के लिये कई योजनाएं और कार्य अमल में लाये जा रहे हैं। इनमें इंदौर की हुकुमचंद मिल के 4 हजार 800 श्रमिक परिवारों को उनका अधिकार दिया गया है। स्वामित्व योजना के माध्यम से 23 लाख 50 हजार लोगों को भू-अधिकार पत्र वितरित किये गये हैं। मुख्यमंत्री जनकल्याण योजना 2.0 के अंतर्गत 30 हजार 500 से अधिक श्रमिक परिवारों को 670 करोड़ रुपये से अधिक की अनुग्रह सहायता प्रदान की गई है औरसामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना से प्रतिमाह 55 लाख 60 हजार से अधिक हितग्राहियों को पिछले एक वर्ष में लगभग 4 हजार करोड़ रुपये से अधिक की पेंशन राशि वितरित की गई। इसी तरह,तेंदूपत्ता संग्राहकों का मानदेय 3 हजार रुपये प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर चार हजार रुपये किया गया। पीएम जन-मन योजना से विशेष पिछड़ी जनजातियों को अधोसंरचना, बिजली की उपलब्धता, आहार अनुदान तथा अन्य समुचित व्यवस्था के लिये योजनाएं चलाई जा रही हैं।

पंडित दीनदयाल जी ने एकात्म मानवदर्शन और अंत्योदय से भारत राष्ट्र के कल्याण का जो मार्ग बताया, वह आकार ले रहा है।गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन में बदलाव आये, उन्हें मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों और उनका जीवन सफल हो, ऐसे हर संभव प्रयास करना श्रद्धेय पंडित दीनदयाल जी के दर्शन का मूल भाव है। भारत, वर्ष 2047 तक विश्व की महाशक्ति बनने के संकल्प के साथ प्रगति पथ पर अग्रसर है। भारत को सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र बनाने के लिये हमें दीनदयाल जी के मौलिक चिंतन और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा को आत्मसात करना होगा। हमारे पथ प्रदर्शक, मार्गदर्शक, राष्ट्रनिर्माण के दृष्टा, विराट समर्पण के प्रतीक,मां भारती की सेवा में जीवनपर्यंत समर्पित पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को एक बार पुनः नमन।

(लेखक, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

आज का इतिहास

- 1340 इंग्लैंड और फ्रांस ने निरस्त्रीकरण संधि पर हस्ताक्षर किए।
- 1396 यूरोप में ओटोमन युद्ध - बेइज़दि इडेफ़ के तहत ओटोमन सेनाओं ने एक ईसाई गठबंधन का नेतृत्व किया, जो वर्तमान में निकोपोल, बुल्गारिया के पास निकोपोलिस की लड़ाई में हंगरी के सिगिस्मंड के नेतृत्व में था।
- 1639 अमेरिका के कैंब्रिज (मेसेचुएट्स) में पहली प्रिंटिंग प्रेस की शुरुआत हुई।
- 1775 अमेरिकी क्रांतिकारी युद्ध नायक एथन एलन को बंदी बना लिया।
- 1775 मॉन्ट्रियल पर ब्रिटिश सेनाओं से कब्जा करने के अपने प्रयास में एथन एलन और अमेरिकी और क्यूबेक मिलिशिया का एक छोटा बल विफल हो गया।
- 1777 ब्रिटिश जनरल विलियम होवे ने फिलाडेल्फिया को जीत लिया।
- 1790 पेकिंग ओपेरा तब पैदा हुआ था जब चार ग्रेटअनहुई मंडलों ने कियानगोंग सम्राट के अठारहवें जन्मदिन के सम्मान में बीजिंग में अनहुइ ओपेरा की शुरुआत की थी।
- 1790 पेकिंग ओपेरा तब पैदा हुआ जब चार महान अनहुइ ने अनियन ओपेरा को कियानलंग सम्राट के अठारहवें जन्मदिन के सम्मान में बीजिंग में पेश किया।
- 1844 कनाडा और अमेरिका के बीच न्यूयॉर्क में पहला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेला गया।
- 1844 1 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कनाडा ने संयुक्त राज्य अमेरिका को 23 रनों से हराया।
- 1845 फाई अल्फा लिटरेरी सोसाइटी की स्थापना की गई।
- 1868 रूसी फ्रिगेट अलेक्जेंडर नेवस्की ने उत्तर-पश्चिमी जूटलैंड को बर्बाद कर दिया, लगभग ग्रैंड ड्यूक अलेक्सी डूब गया।
- 1897 ब्रिटेन में पहली बस सेवा की शुरुआत हुई।

खेतों के बीच झूठ की झंडी दिखाता हुआ दौड़ रहा है भाजपा का 'डबल-इंजन'

■ जीतू पटवारी

मध्यप्रदेश में बीती 10 सितंबर से किसान आंदोलनरत हैं। किसानों का गुस्सा केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारों के प्रति है। कांग्रेस की किसान न्याय यात्रा का नेतृत्व करते हुए मैं प्रदेश के कई जिलों में हजारों किसानों से प्रत्यक्ष मिल चुका हूं। आक्रोश के ये स्वर मध्य प्रदेश सरकार की नीतियों के विरोध में हैं। सोयाबीन के सबसे बड़े उत्पादक राज्यों में शामिल मध्य प्रदेश में इस साल किसानों को औसत कीमत वही मिल रही है, जो दस साल पहले थी। केंद्र और राज्य सरकार के 'डबल इंजन' ने आंशिक मूल्य वृद्धि का खेल जरूर खेला, लेकिन उससे भी किसानों को कोई फायदा नहीं हुआ। आज भी किसानों का सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब खेती की लागत 4,000 रुपए प्रति क्विंटल के करीब है, तब फसल का मूल्य 3,800 रुपए क्यों दिया जा रहा है? मध्य प्रदेश में सोयाबीन की नई फसल फिर सबूत के रूप में सामने है कि किसानों की आय दोगुनी करने का बीजेपी का वादा झूठा है।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों की आय दोगुना करने का सरकारी वचन बार-बार, लगातार दोहराया है। बीजेपी ने गेहूं एवं धान के लिए क्रमशः 2,700 रुपए और 3,100 रुपए एमएसपी देने का वादा किया था, लेकिन यह सिर्फ किसानों से झूठ बोलकर, उनके वोट लेने की नौटंकी थी। झूठ दावों और वादों का यह ÷डबल इंजन÷ केंद्र और राज्य की सरकारों में कुर्सी पर बैठे भाजपा के नेता मिलकर दौड़ा रहे हैं। 2014 से 2024 के बीच मोदीजी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी सरकार ने किसानों की स्थिति सुधारने के जितने दावे किए, किसानों की बदहाली उतनी ही बढ़ती गई। देश का मेहनतकश किसान यह जानता है कि प्रधानमंत्री ने 2014 में सत्ता में आते ही ÷दोगुनी किसान आय÷ का लक्ष्य रखा। 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने की योजना को राष्ट्रीय एजेंडा बताया। लेकिन, किसी भी कोशिश और योजना का सीधा लाभ किसानों को नहीं मिला। कृषि उपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर भी सवाल उठते रहे, इसलिए कई बार किसानों को अपनी उपज औने-पौने दामों पर बेचना पड़ी। 2017 और 2020 के दौरान हुए बड़े किसान आंदोलन भाजपा सरकारों के खिलाफ थे। 2017 में महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में किसान आंदोलन हुए, जहां किसानों ने कर्ज माफी और उचित दाम की मांग की। 2020 में तीन कृषि कानूनों को लेकर हुए किसानों के आंदोलन ने देश को हिला कर रख दिया। इन कानूनों के तहत कृषि बाजार में निजी कंपनियों की भागीदारी बढ़ाने की बात थी। लेकिन, किसानों ने आशंका जताई कि इससे एमएसपी प्रणाली खत्म हो जाएगी और उनकी फसल का उचित मूल्य नहीं मिलेगा। इस आंदोलन के दौरान हजारों किसान दिल्ली की सीमाओं पर डटे रहे, जिसके चलते सरकार को अंततः कानूनों को वापस लेना पड़ा। 2019 में नरेंद्र मोदी सरकार ने किसानों की आय में सुधार के लिए पीएम-किसान योजना की शुरुआत की। किसानों ने तर्क के साथ कहा कि यह राशि पर्याप्त नहीं है। इतने कम धन में किसानों की वास्तविक समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता।

कर्ज का संकट: 2014 से 2024 के बीच किसानों के सामने सबसे बड़ी समस्या कर्ज की थी। भाजपा शासित राज्यों में कर्ज माफी का सही तरीके से क्रियान्वयन नहीं हो सका। इससे किसान आत्महत्याओं की घटनाएं बढ़ीं। कर्ज का पुराना बोझ भी किसानों को परेशान करता रहा। 2018 में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, 2014 से 2018 के बीच हर साल औसतन 10,000 से अधिक किसान आत्महत्याएं हुईं। किसान संगठनों ने सरकार पर आरोप लगाया कि उनकी नीतियां छोटे और सीमांत किसानों के बजाय बड़े व्यापारियों और कंपनियों को लाभ पहुंचाती हैं। एमएसपी में बढ़ोतरी का दावा तो सरकार द्वारा किया गया, लेकिन किसानों की शिकायत रही कि फसलें एमएसपी पर बिकने के बजाय व्यापारियों द्वारा कम कीमतों पर खरीदी जाती रहीं। विशेष रूप से गेहूं, चावल, दाल और गन्ने जैसी प्रमुख फसलों की उचित कीमत न मिलने की शिकायत किसान लगातार करते रहे, लेकिन भाजपा सरकारों ने सुनवाई नहीं की।

फसल बीमा योजना की चुनौतियां: प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा देना था। परंतु, इसके क्रियान्वयन में गंभीर समस्याएं सामने आईं। बीमा कंपनियों ने किसानों को मुआवजा देने में देरी की। किसानों को नुकसान के बावजूद सही मुआवजा नहीं मिल पाया। इससे योजना के प्रति किसानों का विश्वास घट गया। मोदी सरकार ने 2014 से 2024 के बीच ग्रामीण सड़कों, बिजली और सिंचाई व्यवस्था में सुधार के कई दावे किए। मीडिया को झूठे प्रमाण देकर बताया गया कि प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना और सौभाग्य योजना से गांवों में बिजली और सड़कों का विस्तार हुआ। परंतु, इनका प्रभाव कृषि उत्पादकता और किसानों से जुड़े लाभ पर अब तक दिखाई नहीं दे रहा है।

काले कृषि कानूनों से कृषि सुधारकैसे : क्या 2020 में पारित तीन कृषि कानून किसानों की उपज के बेहतर मूल्य और कृषि बाजार को सुधारने के उद्देश्य से लाए गए थे? यह 100त्न झूठ है! इसीलिए, लाखों किसानों ने विरोध किया और इसे किसानों के हितों के खिलाफ बताया। किसानों का कहना है ऐसे कानून निजी कंपनियों को कृषि में अधिक प्रभावी बना देंगे और छोटे किसानों को नुकसान ही होगा। लगभग एक साल तक चले आंदोलन के बाद सरकार ने कानून तो वापस लिए, लेकिन किसानों को लेकर गहरे किस्म की दुर्भावना और घृणा मन में रख ली। तभी तो यह मामला किसानों और सरकार के बीच संबंधों में बड़ी दरार की तरह देखा गया। इस आंदोलन ने सरकार की किसान नीतियों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए। मोदी सरकार ने 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत कृषि क्षेत्र में निर्यात को बढ़ावा का झूठा दावा किया। कागजों में भारत ने कृषि उत्पादों का निर्यात तो बढ़ाया, लेकिन इसका सीधा लाभ छोटे किसानों को नहीं मिला। बड़े व्यापारी और कृषि-व्यवसायिक कंपनियां ही ज्यादातर लाभान्वित हुईं। सरकार ने कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक और डिजिटल माध्यमों के उपयोग पर जोर दिया। ई-नाम जैसी योजनाएं लाई गईं, जिनका उद्देश्य कृषि उत्पादों के ऑनलाइन व्यापार को बढ़ावा देना था। परंतु, ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट कनेक्टिविटी और तकनीकी जागरूकता की कमी के कारण इसका लाभ भी किसानों तक नहीं पहुंच सका। यही सबसे बड़ी परेशानी है कि केंद्र सरकार ने किसान कल्याण के नाम पर झूठा प्रचार तो बहुत किया, लेकिन सच्चाई से मुंह फेर लिया। किसानों से सार्वजनिक माफी मांगने वाले प्रधानमंत्री यह याद रखें कि किसान उन्हें कभी भी मन से माफ नहीं कर पाएंगे।

किसान विरोधी 20 साल : बात अब केंद्र के साथ राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार को लेकर भी की जानी चाहिए। भाजपा ने जब से मध्य प्रदेश की सत्ता संभाली, तब से लेकर अब तक किसानों के लिए जो नीतियां लागू की गईं, वे ज्यादातर किसान हितैषी कम और किसान विरोधी अधिक साबित हुईं। इनमें सबसे बड़ी समस्या यह रही कि किसानों की आय को बढ़ाने के लिए जो योजनाएं लागू की गईं, वे फाइलों तक ही सीमित रह गईं। किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का सही से निर्धारण नहीं किया गया। जो मूल्य तय किए गए, वे किसानों को लागत ही नहीं दिलवा पाए।

आंदोलन दमन की नीति: कई बार मध्य प्रदेश के किसानों ने अपने अधिकारों और मांगों के लिए आंदोलन किया। 2017 में मंदसौर का किसान आंदोलन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जहां किसान अपने उत्पादों के उचित मूल्य की मांग कर रहे थे। भाजपा सरकार ने आंदोलन को पुलिस के जरिए कुचलने की कोशिश की। संघर्ष में कई किसानों की जान चली गई। मध्य प्रदेश के इतिहास की यह सबसे बड़ी घटना भाजपा सरकार की किसान विरोधी मानसिकता दर्शाती है। किसानों की मांग के बावजूद प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, फसल

बीमा योजना और अन्य योजनाओं का लाभ अधिकांश किसानों तक नहीं पहुंच सका। भ्रष्टाचार, बिचौलियों और अफसरशाही ने इन योजनाओं को कमजोर कर दिया। कई बार किसानों को प्रीमियम भरने के बावजूद बीमा कंपनियों से सही समय पर मुआवजा नहीं मिला, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और खराब हो गई। ऋण माफी जैसी योजनाओं का सही से कार्यान्वयन नहीं हो सका। इससे कर्ज दिनोंदिन बढ़ता गया। हालात ऐसे बन गए कि किसानों को आत्महत्या करने को मजबूर होना पड़ा। किसानों के प्रति भाजपा सरकार की उदासीनता और गलत नीतियों के खिलाफ मध्य प्रदेश कांग्रेस ने 'किसान न्याय यात्रा' शुरू की है। यात्रा का उद्देश्य किसानों की समस्याओं को उजागर करना और उनकी मांगों को लेकर सरकार पर दबाव बनाना है। कांग्रेस ने इस यात्रा के दौरान न केवल किसानों की समस्याओं और जमीनी कठिनाइयों को समझा, बल्कि उन्हें यह भी बताया कि कैसे खेत-खलिहान के वाजिब हकों को भाजपा सरकार नजरअंदाज कर रही है। कांग्रेस की यह स्पष्ट मान्यता है कि किसानों की हालत सुधारने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य को बढ़ाना होगा, ताकि किसानों को उनके उत्पादों का सही मूल्य मिल सके। एमएसपी का निर्धारण इस प्रकार होना चाहिए कि किसान की लागत और एक सम्मानजनक मुनाफे मिल सके। इसके लिए भाजपा सरकार को कृषि लागत और मूल्य आयोग की सिफारिशों का पालन करना चाहिए। फसल बीमा योजना में भी सुधार की आवश्यकता है। किसानों को उनकी फसल नुकसान के लिए समय पर मुआवजा मिलना चाहिए। बीमा कंपनियों द्वारा होने वाली गड़बड़ियों को रोकने के लिए सख्त निगरानी तंत्र होना चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रीमियम दरें उचित हों। किसानों तक सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाने के लिए बिचौलियों की भूमिका को समाप्त करना भी आवश्यक है। इसके लिए सरकार को डिजिटल प्लेटफॉर्म और तकनीकी समाधान अपनाने चाहिए, जिससे किसान सीधे सरकार से जुड़ सकें और योजनाओं का लाभ उठा सकें। किसानों की ऋण माफी योजना को सुदृढ़ करना चाहिए।प्रदेश के किसानों की एक बड़ी समस्या जल संकट है। प्रदेश में मानसून के भरोसे कृषि करने वाले किसानों के लिए जल प्रबंधन और सिंचाई सुविधाओं का विकास अत्यंत आवश्यक है। यदि भाजपा सरकार किसानों की समस्याओं को जमीन स्तर पर दिखेगी तो उसे अपनी कागजी योजनाएं बदलने में देर नहीं लगेगी। अब आवश्यकता नीति और नजरिया बदलने की है, ताकि मेहनतकश किसान को भी जीने का हक मिल सके!

(लेखक मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष हैं।)

विश्वास रखें कि जीवन जीने योग्य है और आपका विश्वास इस तथ्य को बनाने में मदद करेगा।
- विलियम जेम्स

निशाना

है कड़ा ये फैसला !

शुद्धता पवित्रता का ।
होगा रखना ध्यान ।।
मालिक और प्रबंधक ।
ना रहें अनजान ।।
है कड़ा ये फैसला ।
लग जाना है काम ।।
सही सही और ठीक से ।
होगा देना नाम ।।
होनी तय सियासत ।
ना इसमें है शक ।।
जानना समझना ये ।
है सबका पर हक ।।
जोर शोर से हर पल ।
खबर रही है तैर ।।
बस केवल कुछ शर्तें ।
नहीं किसी से बैर ।।

- कृष्णेन्द्र राय

मोरन गंजाल परियोजना के अधिकारियों को आदिवासियों ने 5 घंटे तक बंधक बनाकर रखा

संतोष सिंह चंदेल/ सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

विकास खण्ड सिवनी मालवा तहसील की मोरन नदी पर ग्राम लही के पास सांकल डोह पर मोरन और भाजी नदी पर मोरान गंजाल परियोजना के तहत डैम बनने जा रहा है। इस डेम से सैकड़ो गांव की भूमि सिंचित हो जाएगी तो वहीं कुछ गांव डैम बनने के कारण डूब में आ रहे हैं। डूब क्षेत्र के ग्रामीण इस डैम का विरोध कर रहे हैं। डैम बनने की लगभग लगभग पूरी तैयारी हो चुकी हैं। इसी के चलते मंगलवार के दिन मोरन गंजाल परियोजना के सब इंजीनियर अधिकारी और ठेकेदार के लोग जंगल में लगे सागौन के पेडों की गणना करने गए थे इस दौरान लगभग चालीस से पचास आदिवासी महिला पुरुषों ने इन अधिकारियों को भाजी नदी के पुल के ऊपर दोनों तरफ मोटरसाइकिल और लकड़ी पटक कर लगभग 5 घंटे तक निकलने नहीं दिया। मोबाइल का नेटवर्क नहीं होने के कारण इस बात की सूचना

लगभग शाम 4 बजे के आसपास सिवनी मालवा के स्थानीय प्रशासन को लगी तो तत्काल तहसीलदार राकेश खजूरीया एसडीओपी राजू रजक पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे जहां पर ग्रामीण को समझाया गया तब जाकर डैम के अधिकारियों के वाहनों को निकलने दिया। सब इंजीनियर एच.एल.बामनिया ने बताया कि आज हम लोग जंगल

की पेड़ों की काउंटिंग करने आए थे इस दौरान ग्रामीणों ने हमको काम नहीं करने दिया तो हमने काम बंद कर दिया और स्थानीय प्रशासन को इस बात की सूचना देकर बुलाया गया। जंगल में आने से पहले भी हमने पुलिस प्रशासन सहित अनुविभागीय अधिकारियों और वन विभाग को इस बात की जानकारी देकर हम लोग आए थे।

आंदोलन का शंखनाद कर राज्य कर्मचारी संघ ने 20 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रान्त व्यापी आव्हान के प्रथम चरण के आंदोलन के शंखनाद के तहत राज्य कर्मचारी संघ नर्मदापुरम द्वारा 20 सूत्रीय मांग पत्र मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए कलेक्टर के प्रतिनिधि शक्ति सिंह तोमर तहसीलदार को सौंपा गया. इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ की प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य वंदना राजोरिया एवं राज्य कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष राजेश चौरे सुरेश चिमानिया जिला अध्यक्ष भुवनेश्वर दुबे जिला सचिव सुंदर नारायण शर्मा कोषाध्यक्ष अध्यक्ष राजेन्द्र ठाकुर तहसील अध्यक्ष नरेंद्र रावत एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों जिसमें संयुक्त मोर्चा की सुश्री अंजू नारोलिया रविशंकर दुबे शैलेंद्र कुमार तोमर एन आर हरियाले शिवम पांडे पुरुषोत्तम राजपूत दिनेश हांडा तरुण नामदेव अभिमन्यु सिंह रूप सिंह सोलंकी गणेश चौधरी आदि ने उपस्थिति देकर ज्ञापन कार्यक्रम को सफल बनाया(राज्य कर्मचारी संघ के जिला सचिव सुंदर नारायण शर्मा ने उपस्थित हुए सभी कर्मचारियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

ग्राम रोजगार सहायकों की 12 वर्षों से लंबित नियमितिकरण की मांग को लेकर ज्ञापन

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश के संपूर्ण जिलों में प्रदेश संगठन के आव्हान पर नर्मदापुरम जिले के संभाग अध्यक्ष संतोष मालवीय जिला संयोजक संजीव यादव जिला अध्यक्ष सुबोध पटेल प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष योगेश पूरी गोस्वामी ग्राम रोजगार सहायक सचिव संघ के नेतृत्व में जिले के समस्त ग्राम रोजगार सहायकों एवं सहायक सचिवों ने एक बार फिर से अपने नियमितिकरण की मांग को लेकर ज़ोरदार प्रदर्शन किया है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में सहायक सचिव के पद पर नियमितिकरण की मांग को लेकर नर्मदापुरम के संयुक्त कलेक्टर को इस बात का ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में विभिन्न महत्वपूर्ण मांगों का उल्लेख किया गया है, जिनमें रोजगार सहायकों के अधिकारों और उनके भविष्य की सुरक्षा को लेकर कई प्रमुख बिंदुओं पर ध्यान आकर्षित कराया गया है। जिसमें मांग की गई है की -

1.जिला संवर्ग ग्रेड पे में संविलियन ग्राम रोजगार सहायकों को सहायक सचिव के पद पर जिला संवर्ग ग्रेड पे पर संविलियन कर उन्हें नियमित किया जाए, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो और उन्हें उनके कार्य के अनुसार उचित मानदेय मिल सके।

2.अनुकम्पा नियुक्ति एवं अनुग्रह राशि-उन रोजगार सहायकों के परिवारों को अनुकम्पा नियुक्ति का प्रावधान किया जाए जिनकी मृत्यु हो चुकी है। साथ ही, उनके परिवारों के लिए 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि का प्रावधान भी किया जाए।

3.महत्वपूर्ण घोषणाओं का क्रियान्वयन-पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा 25 अगस्त 2018 को सी.एम. हाउस में और 28 जून 2023 को ग्राम

रोजगार सहायकों की महापंचायत में सहायक पंचायत सचिव के पदनाम की घोषणा की गई थी। इस घोषणा के अनुसार, सहायक सचिव के पद पर नियमितिकरण के आदेश जल्द से जल्द जारी किए जाएं।

4.समान कार्य के लिए समान वेतन-समस्त कर्मचारियों की तरह रोजगार सहायकों को भी समान कार्य के लिए समान वेतन का लाभ दिया जाए। इसके अलावा, वार्षिक वेतन वृद्धि, यात्रा भत्ता (टी.ए./डी.ए.), ईपीएफ कटौती, और विशेष परिस्थितियों में स्थानांतरण नीति के तहत जिले से बाहर स्थानांतरण की सुविधा भी दी जाए।

12 वर्षों से लंबित है रोजगार सहायकों की मांग

वर्तमान में मध्य प्रदेश के 23,000 ग्राम रोजगार सहायकों को पदस्थ हुए 12 वर्ष से अधिक का समय हो चुका है। इतने लंबे समय के बाद भी रोजगार सहायकों की मांगें अभी तक पूरी नहीं हो पाई हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की है कि उनकी मांगों को गंभीरता से लेते हुए सहायक सचिव पद पर संविलियन की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा किया जाए, ताकि वे भी समान अधिकार और सम्मान पा सकें। रोजगार सहायकों ने अपने आंदोलन को और तेज करने की चेतावनी दी है।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस मनाया गया

स्वयं सेवकों ने नृत्य,गीत, कविता और भाषणों की प्रस्तुति दी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस के अवसर पर शासकीय नर्मदा महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ अमिता जोशी की अध्यक्षता में एन एस एस के स्वयंसेवकों द्वारा कार्यक्रम किए गए।

जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ दिग्विजय सिंह खत्री जिला संगठक के द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व को बताते हुए समर्पण भाव से सेवा करने के लिए प्रेरित किया साथ ही क्रएवं ष्ट सर्टिफिकेट के महत्व एवं माय भारत पोर्टल की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई । प्राचार्य डॉ अमिता जोशी ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि दूसरों की किसी भी रूप में की गई सेवा और सम्मान भी एक प्रकार की राष्ट्रीय सेवा है। सीनियर कैडेट विजय मेश्राम ने अपने अनुभव साझा करते हुए स्वयंसेवकों को बताया कि एन एस एस में रहकर हमारा व्यक्तित्व विकास भी होता है। इस अवसर पर स्वयंसेवकों द्वारा देशभक्ति गीत, विभिन्न प्रकार के नृत्य नाटक, भाषण, कविताएं प्रस्तुत किए गए एवं वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ एस सी हर्ने, डॉ हंसा व्यास, डॉ बी एल राय, डॉ आर एस बोहरे, डॉ बी एस आर्य, डॉ रवि उपाध्याय, डॉ सविता गुप्ता, डॉ आलोक मित्रा, प्रियंका राय, रेणुका ठाकुर, डॉ कुमुदिनी गार्गव, डॉ कल्पना विश्वास, नित्या पटेरिया, मेघा रावत, डॉ मीनाक्षी ठाकुर, रीनु वर्मा उपस्थित रहे।

सरपंच संघ ने सीएम के नाम का सौंपा ज्ञापन

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

सरपंच संघ ने मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन तहसीलदार को सोपा ज्ञापन में सरपंच संघ के व्लाक अध्यक्ष उमेश अंकिले ने बताया कि सभी सरपंच अपनी अपनी ग्राम पंचायत में विकास कार्य को लेकर बहुत ही चिंतित हैं जिसमें ग्राम पंचायत में प्रधानमंत्री नल जल योजना जो की अपूर्ण है उन्हें पूर्ण करने बाबत,रोजगार सहायकों का स्थानांतरण करें लाडली बहन आवास योजना चालू की जाए,रोजगार सहायकों का पेमेंट सरपंच के हस्ताक्षर से किया जाए, सरपंच का मानदेय 4250 से बढ़कर 20000 किया जाए और पेंशन राशि का प्रावधान हो। मनरेगा योजना के तहत मटेरियल बिल का भुगतान किया जाए सुदूर सड़क एवं बाजरीकरण करने पर 50000 रुपए तक राशि खर्च करने का अधिकार सरपंच को दिया जाए, मनरेगा योजना के कार्य के लिए की जा रही एमएस जियो टेक बंद की जाए। सरपंच संघ उपाध्यक्ष राकेश रघुवंशी ने कहा कि ग्राम पंचायत में रेत के लिए हमे अनुमति प्रदान करें। इस दौरान सरपंच मालापाट चंद्रशेखर व्यास,कमल सिंह कास्दे, धन सिंह सूरमा, राजेश सेजकर, मोहित तंवर,पूजा पंचारिया, गोविंद बछानिया, महेश कलम,शंकर लाल उइके,अशोक परते, परसराम वारसकर,रमेश मेहता,सहित सभी सरपंच उपस्थित थे।

अखिल भारतीय राजपूत महासभा के प्रांतीय सचिव को दी श्रद्धांजलि

सिवनी मालवा। अखिल भारती राजपूत महासभा के प्रांतीय सचिव पिपरिया निवासी गुलाब सिंह राजपूत पिछले दिनों उनका निधन हो गया। इस

दौरान सिवनी मालवा राजपूत महासभा के द्वारा विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की श्री राजपूत पूरे जिले में राजपूत समाज के किंग गौरव थे। उन्होंने समाज हित में कई कार्य करें हैं और हमेशा समाज के कार्यों को लेकर तत्पर रहते थे। उनके निधन पर समाज के लोगों ने एकत्रित होकर 2 मिनट का मौन रख उन्हें श्रद्धांजलि दी इस अवसर पर राजपूत परिषद से विजय सिंह ठाकुर, गणेश सिंह ठाकुर,भूपेंद्र सिंह ठाकुर,शंभू सिंह भाटी,राजपूत समाज के प्रवक्ता संतोष सिंह चंदेल अजय सिंह ठाकुर अमर सिंह,कोदर सिंह मौर्य, खुमान सिंह मौर्य,ईश्वर सिंह ठाकुर,दिलीप सिंह ठाकुर, युवराज सिंह ठाकुर, करण सिंह ठाकुर,प्रमोद सिंह चौहान,अजीत सिंह राजपूत, शैलेंद्र सिंह चंदेल, होशंगाबाद से सुनील सिंह चौहान सहित समस्त राजपूत परिवार ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

हिलस्टेशन पचमढ़ी में चलाया जा रहा स्वच्छता अभियान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

जिले के हिलस्टेशन पचमढ़ी में पर्यटकों की आवाजाही बनी रहती है, वही मध्यप्रदेश टूरिज्म ओर स्थानीय साडा के स्टाफ द्वारा विगत 17 सितंबर से प्रारंभ हुए एवं 02 अक्टूबर तक चलने वाले स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत चल रहे विविध कार्यक्रमों की श्रृंखला में इस वर्ष की थीम ÷स्वच्छता ही सेवा ,स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता÷ स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। स्वच्छता अभियान जयस्तंभ चौक पर एवं अन्य स्थानों पर चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय प्रबंधक ए यू खान ने पर्यटन विभाग के स्टाफ ओर साडा के स्टाफ से एवं पर्यटकों से कहा कि अब हमें स्वच्छता को अपना स्वभाव अपनी आदत बनाना होगा क्योंकि स्वच्छता से स्वास्थ्य का सीधा संबंध है। साथ ही कहा कि प्रत्येक स्टाफ अपने विभाग, अपने कार्यक्षेत्र, अपने घर, अपने मोहल्ले अपने गांव, शहर को स्वच्छ रखने का न सिर्फ स्वयं प्रयास करें बल्कि परिवार जनों एवं ग्रामीणों को भी इस हेतु प्रेरित कर अग्रणी भूमिका का निर्वहन करें ओर करवाएं। कार्यक्रम के अंत में स्वच्छता की शपथ ली गई एवं परिसर की सफाई की गई। उक्त कार्यक्रम में मध्यप्रदेश पर्यटन क्षेत्रीय प्रबंधक ए यू खान, नितिन कटारे, अनिल राय, अमजद, रईस एवं समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में पर्यटक उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर जनजातीय कार्य व कन्या शिक्षा परिसर पवारखेड़ा का आकस्मिक निरीक्षण

शिक्षक सहभागिता से अपने विद्यालय व परिसर को बेहतर बनाएं: यादव

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

संभागीय उपायुक्त, जनजातीय कार्य जे.पी. यादव द्वारा कन्या शिक्षा परिसर पवारखेड़ा का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होने प्रयोगशालाओं, लायब्रेरी, अध्यापन कक्षों का अवलोकन किया तथा शिक्षकों के साथ बैठक आयोजित कर निर्देश दिये। संस्था में कार्यरत् सभी शिक्षक एवं प्राचार्य उपस्थित पाये गये। जीव विज्ञान, भौतिकी एवं रसायन विज्ञान प्रयोगशालाओं के निरीक्षण के दौरान शिक्षकों से कराये गये प्रयोगों की जानकारी प्राप्त की गई। शिक्षकों द्वारा अवगत कराया गया कि प्रयोगशालाओं में कुछ सामग्री को छोड़कर शेष सामग्री उपलब्ध है तथा विद्यार्थियों से प्रयोग कराये जा रहे हैं। शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत जानकारी अनुसार 25 प्रतिशत प्रयोग कराये गये हैं। श्री यादव द्वारा शिक्षकों को निर्देशित किया गया है कि सैद्धांतिक चेप्टर खत्म होने के साथ ही उससे संबंधित प्रयोग कराये जावे। निर्धारित समय में समस्त प्रयोग संपन्न कराये जायें।

लायब्रेरी के अवलोकन के दौरान पुस्तक वितरण पंजी में 51 पुस्तकें ऐसी पाई गई जो विद्यार्थियों के पास जाने के बाद वापस नहीं लौटी। निर्देशित किया गया कि बच्चों से संपर्क कर पुस्तकें वापस कराई जावे। शिक्षकों के साथ बैठक में श्री यादव ने समय पालन तथा शिक्षा गुणवत्ता के लिए गहन प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया। अभी से रेमेडियल क्लासेस प्रारंभ किये जाने तथा प्रत्येक चेप्टर के अध्यापन के बाद नियमित टेस्ट आयोजित किये संबंधी निर्देश दिये गये। शिक्षकों के सहयोग से विद्यालय के भवन को आकर्षक बनाये जाने की अपील की गई।

प्रत्येक माह प्रत्येक बच्चे की उपस्थिति तथा शैक्षणिक गतिविधि से पालकों को अवगत कराने हेतु नियमित रूप से पालक शिक्षक संघ की बैठक आयोजित किये जाने के निर्देश दिये गये। यह भी कहा गया कि जो पालक बैठक में नहीं आ पाते हैं, उन्हें व्यक्तिगत रूप से विद्यार्थी की शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों से अवगत कराया जावे। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं जेईई, नीट तथा सामान्य ज्ञान, सामान्य गणित, सामान्य अंग्रेजी, तर्कशक्ति आदि विषयों की तैयारी हेतु अतिरिक्त कालखण्ड लगाने के निर्देश भी दिये गये। उन्होंने खाली समय में विभिन्न प्रकार की पुस्तकों के अध्ययन करने हेतु प्रेरित किया। उन्होने शिक्षकों से कहा कि पुस्तकों को पढ़ने से जान के साथ-साथ विचार भी उत्पन्न होते हैं। शिक्षक बच्चों को सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों की शिक्षा भी प्रदान करें। श्री यादव संस्था के शिक्षकों से संबंधित समस्याओं से अवगत हुए तथा निराकरण के लिए आश्वस्त किया।

अंग्रेजी भाषा में संचार कौशल विषय पर केन्द्रित कार्यशाला आयोजित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय नर्मदा कॉलेज के आई. क्यू. ए. सी. और अंग्रेजी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में अंग्रेजी भाषा में संप्रेषण कौशल की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ ममता गर्ग ने विषय प्रवर्तन करते हुए बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल इंग्लिश बोलने की क्षमता को सुधारना है बल्कि छात्रों में आत्मविश्वास के साथ उन्हें सामाजिक समावेशन के लिए भी तैयार करना है। अंग्रेजी भाषा सीखना किसी भी तरह से कठिन नहीं है बस प्रयास होना चाहिए कि हम भाषा से संबंधित विज्ञान और ध्वनियों का उच्चारण शिक्षक के माध्यम से सीखने की कोशिश करें। आज के समय में चाहे शिक्षा की बात हो,देश विदेश की या अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय,मंच या साहित्य की सभी में सफल होने के लिए अंग्रेजी में दक्ष होना अति आवश्यक है।अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ अमिता जोशी ने कहा कि हिंदी माध्यम से पढ़े होने के कारण अंग्रेजी सीखने में परेशानी आती है। इंग्लिश सीखना आजकल सभी के लिए बहुत जरूरी है। अंग्रेजी से जहां एक ओर आत्मविश्वास में वृद्धि होती है वहीं कैरियर के कई विकल्प खुल जाते हैं।और व्यक्तित्व में भी निखार आता है। अंग्रेजी आसानी से सीखी जा सकती है बस आवश्यकता है नियमित रूप से पढ़ने और व्यवहार में लाने की। मुख्य वक्ता डॉ सुधीर दीक्षित ने

विद्यार्थियों को बताया कि पहले छोटे छोटे वाक्य बोलकर अभ्यास करें। व्याकरण को ध्यान में रखें किंतु व्याकरण के कारण भाषा को कठिन नहीं बनायें। बोलने में झिझक या संकोच न करें। डॉ राजीव शर्मा ने भी छात्रों को मार्गदर्शन दिया। आभार डॉ मीनाक्षी ठाकुर का रहा।विद्यार्थियों ने अंग्रेजी बोलने में किन किन बातों से असहजता और व्याकरणिक परेशानियां आती हैं बातें साझा की । छात्रा अंजलि ने कहा कि गलती नहीं हो इसलिए बोलने में हिचकिचाहट होती है।

बिजली विभाग की लापरवाही, बिना सूचना के हाजीपुर फीडर बंद रहने व्यापारियों को नुकसान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

बिजली वितरण कंपनी के जिम्मेदारों के द्वारा अपने हिसाब से कभी भी बिजली सप्लाई को बंद कर दिया जाता है। इस वजह से व्यापारियों से लेकर आम जनता को मुश्किलों का सामना भी करना पड़ा। मंगलवार को लाइन शिफ्ट करने की सूचना हाजीपुर फीटर क्षेत्र के उपभोक्ताओं को दिए बगैर ही बिजली वितरण कंपनी के अमले के द्वारा सब स्टेशन पर काम करने के लिए सप्लाई को 5 घंटे तक बंद कर दिया इस कारण सीजन में व्यापारियों को काफी आर्थिक नुकसान का सामना भी करना पड़ा क्योंकि फसल कटाई के कारण किसानों को अपने यंत्र ठीक करवाने के लिए वेल्डिंग आदि के लिए बिजली की जरूरत थी पर बिजली नहीं होने के कारण के काम भी नहीं हो पाए दूसरी ओर जल सप्लाई से लेकर इस समय गर्मी के कारण लोगों की हालत खराब हो रही है। बिजली की अघोषित कटौती से सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ा बिजली वितरण कंपनी के द्वारा बिना सूचना के बिजली सप्लाई बंद रखना गलत है।

जिला यातायात पुलिस के साथ की वाहन चेकिंग, इंटरसेप्टर वाहन से कार्यवाही

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के द्वारा दिए गए निर्देश के पालन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ प्रशांत चौबे तथा एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस सिरोंज एवं यातायात थाना विदिशा से प्राप्त इंटरसेप्टर व्हीकल की संयुक्त टीम द्वारा लटेरी रोड़ पर सड़क दुर्घटना से होने वाली जनहानि कम करने के उद्देश्य से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही की गई। जिसमें 16 वाहन चालकों पर चालानी कार्यवाही कर कुल 11400 शमन शुल्क वसूल किया गया। कार्यवाही के दौरान मुख्य रूप से तेज गति से वाहन चलाने वाले चालको, दो पहिया वाहन में तीन सवारी बैठना, चार पहिया वाहन चलाते वक्त सीट बेल्ट का प्रयोग ना करना, बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाने वाले वाहन चालकों पर कार्यवाही की गई । साथ ही शहर की यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से इंटरसेप्टर वाहन द्वारा शहर में भी अनाउसमेंट कर रोड़ पर खड़े हाथ ठेला, दुकानों के बाहर सामान और वाहनों को हटवाया एवं सभी को समझाइश दी गई । यातायात प्रभारी रितेश वाघेला ने सभी व्यापारी बंधु और वाहन चालकों को यातायात व्यवस्था को बनाए रखने में सहयोग दे तथा रोड़ पर कही भी अव्यवस्थित वाहन ना खड़े करने के बारे में बताया इसके बाद भी यातायात व्यवस्था को बाधित करेंगे तो चालानी कार्रवाई के बारे में भी बताया।

मंडी प्रशासन की जांच पड़ताल और सीसीटीवी कैमरों में नहीं दिखी चोरी, नाराज यूनियन ने सौंपा ज्ञापन

मारपीट से नाराज तुलावट और हम्मालों, एफआईआर की मांग

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

मंगलवार को अनुविभागीय अधिकारी के नाम एक ज्ञापन हम्माल तुलावट यूनियन ने नायब तहसीलदार ललित सक्सेना को सौंपा। ज्ञापन का वाचन करते हुए यूनियन के संरक्षक हाफिज शम्स कमर ने कहा कि विगत दिवस पूर्व साकलोन निवासी भारतसिंह अपनी उड़द की ट्राली सुरेश विवेक फर्म पर लाए थे, जहां उक्त ट्राली को हम्मालो द्वारा बोरो में भराई करना चालू कर दी थी । इतने में ही 8 से 10 अज्ञात व्यक्ति उपज मण्डी में आये और चिल्ला चोट कर हम्मालो के साथ मारपीट करना चालू कर दी। जिसके बाद जानकारी लगाने पर मण्डी कर्मचारी व हमलोग पहुचं गए। जहां पर हमने उन अज्ञात व्यतितायों से बमुश्किल हम्माल व तुलावट को बचाया। जब मण्डी कर्मचारीयों द्वारा पूछा गया कि यहाँ क्यों मारपीट व गाली गलोच कर रहे हो, तो उन्होंने कहा कि हम्मालो द्वारा चौरी की गई है जिसकी जॉच मण्डी कर्मचारी व यूनियन के द्वारा कराई गई तो उसमें चौरी नहीं पाई गई। फिर हमारे द्वारा पुलिस को सूचना दी गई जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। और पुलिस ने समझाईश देकर वहां से आ गई। इतने में ही कांग्रेस नेता सुरेन्द्र रघुवंशी कुछ व्यक्तियों के साथ मण्डी में आए, जो अज्ञात व्यक्ति पहले से मौजूद थे उनके साथ खड़ा होकर माँ-बहन की गंदी गंदी गालियां देने लगे और कहते है कि हम्माल तुलावट व कर्मचारीयों को घेर घेर के मारो इसके बाद सबलोग सदमें में आ गये व डर गये क्योंकि सुरेन्द्र रघुवंशी का कई वर्षो से आंतक है और कुछ लोगो को इखट्ठा करके चक्का जाम, मंडी बंद कराने की धमकी देते है, और मार-पीट करने की कोशिश करते है और मंडी का माहौल खराब करते है। यह सुरेन्द्र रघुवंशी का आय दिन का काम हो गया है और जब उन्हें कोई समझाने की कोशिश करता है तो किसानो का हवाला देकर अपने आप को किसान नेता बताते है। हालाकि इसके अलावा बहुत सारे व्यक्ति मौजूद है जो किसान होने के साथ-साथ मंडी से जुड़े भी है कभी किसी व्यक्ति ने हम्माल-तुलावट व कर्मचारियों से लोगो को इखट्ठा करके न मारने को कहा और न मंडी बंद करने की बात कही है। इस तरह के कृत्य से मंडी में काम करने वाले हम्माल व तुलावटों में भय का माहौल है यदि सुरेंद्र रघुवंशी सहित मारपीट करने वालों पर 3 दिन के अंदर एफआईआर दर्ज नहीं की गई, तो यूनियन के समस्त लोग हड़ताल पर चले जाएंगे। इस अवसर पर शादाब खान, आविद खान, लेखराज सिंह, रहमान खान, आरिफ खान, रमेश कुशवाह, इशरत अली, मनमोहन, नईम खान, राजा मियां, मुकेश, नितिन, जगदीश सहित बड़ी संख्या में यूनियन के लोग मौजूद रहे।

यह है पूरा मामला

सोमवार को ग्राम साकलोंन के किसान भारत सिंह उड़द लेकर मंडी आए थे। जिसमें एक क्विंटल उड़द तुलाई के दौरान हम्मालों ने चोरी कर ली ऐसे उन्होंने आरोप लगाए थे, इसके बाद कांग्रेस नेता सुरेंद्र रघुवंशी भी मौके पर पहुंच गए थे और उन्होंने किसानों के साथ हंगामा किया था। इसके बाद तहसील कार्यालय पहुंचकर एसडीएम हर्षल चौधरी से शिकायत भी की थी। जिसके बाद एसडीएम ने जांच का आश्वासन देते हुए कार्रवाई की बात कही थी। वही जब मंडी प्रशासन ने इस पूरे मामले की जांच पड़ताल की तो सामने आया कि किसान ने तोल से पूर्व ही हंगामा कर दिया था। सीसीटीवी कैमरे में भी उपज की चोरी करते कोई दिखाई नहीं दिया। इसी से नाराज मंगलवार को हम्माल, तुलावट यूनियन संघ ने ज्ञापन देकर मारपीट करने वालों पर कार्रवाई की मांग की है।

किसानों के नाम पर नेता कर रहे मनमानी -

आपको बता दें कि सिरोंज कृषि उपज मंडी में आएदिन बाद विवाद की स्थिति देखने को मिल रही है। जिसका प्रमुख कारण किसानों के नाम पर राजनीतिकरण होना सामने आ रहा है। क्षेत्र के कुछ नेता किसानों के नाम पर राजनीति करते हैं और अपनी राजनीति चमका कर किसानों को उसी हालत में छोड़ निकल जाते हैं, यही वजह है की दर्जनों बार चोरी के प्रकरणों में एफआईआर की मांग की गई है लेकिन राजनीतिकरण के कारण नेता प्रदर्शन के बाद दोबारा कई दिनों तक दिखाई नहीं देते। वहीं मंगलवार को सोयाबीन के उपज लेकर आए किसान शिवराज का कहना था कि इन नेताओं के कारण आए दिन मंडी में वाद विवाद की स्थिति बन रही है लेकिन व्यवस्था के नाम पर सिर्फ हंगामा और सिर्फ हंगामा ही है, किसान के हाथ बुराई के अलावा कुछ नही लगता, हर बार यही नेता पहले हंगामा करते हैं ।

मंडी में लगे सीसी टीवी कैमरे महीनों से पड़े खराब -

कृषि उपज मंडी में वर्षों से बंद पड़े सीसीटीवी कैमरों के कारण यह स्थिति उत्पन्न हो रही है, क्योंकि आएदिन चोरी की घटनाएं आपसी वाद विवाद देखने को मिलते हैं, लेकिन हर बार मंडी प्रशासन जांच के नाम पर खानापूर्ति कर मामले को रफा दफा करवा देता है। जबकि मंडी प्रशासन व्यवस्था के नाम पर हर महीने लाखों रुपए खर्च कर रहा है। लेकिन मंडी की स्थिति आज भी बस से पत्थर दिखाई पड़ रही है भ्रष्टाचार की स्थिति यह है कि कागजों में ही बिल वाउचर लगाकर प्रशासन खानापूर्ति कर रहा है जिसके कारण जरूरी व्यवस्थाएं तहसन सो चुकी हैं। यदि मंडी प्रशासन की लचर कार्य प्रणाली इसी तरह रहती है तो आगे स्थिति और भी खराब हो सकती है जिसका परिणाम क्षेत्र के किसान तुलावट और हम्माल भुगत रहे हैं।

व्हाट्सएप ग्रुप में वीडियो डालकर रख अपना पक्ष -

वही इस पूरे मामले की जानकारी लगते ही कांग्रेस नेता सुरेंद्र रघुवंशी ने व्हाट्सएप ग्रुप में एक वीडियो भेजा जिसमें वह कह रहे हैं, कि मंडी में आए दिन चोरी की घटनाएं हो रही हैं, जिनमें हम्माल और तुलावट पकड़े जाते हैं। हर बार ले देकर मामले को रफा-दफा कर दिया जाता है। सही ढंग से मंडी में कार्य नहीं हो रहा है हम्माल और तुलावटो की जो दादागिरी चल रही है यह नहीं चलने दी जाएगी। यदि उनके पास मारपीट का वीडियो है, तो वह स्वतंत्र है कार्रवाई करवाएं। हालांकि वीडियो में वह स्वयं भी कह रहे हैं कि हर बार मामले को ले देकर रफा दफा कर दिया जाता है। लेकिन अब सवाल उठता है जब उन्हें यह सब पता है कि मामले में ले देकर रफा दफा कर दिया जाता है तो फिर उन्होंने अभी तक इसके लिए आवाज क्यों नहीं उठाई क्यों कार्रवाई की मांग नहीं की। इसी वीडियो को लेकर हम्माल, तुलावट यूनियन के संरक्षक हाफिज कमर ने चुटकी लेते हुए राजनीति करने के आरोप लगाए।

इनका कहना है -

विगत दिवस पूर्व मंडी में एक किसान द्वारा आरोप लगाया गया था, कि हम्मलों ने उपज की चोरी की है, जिसके बाद मंडी प्रशासन ने उक्त जगह पर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच पड़ताल की, जिसमें कहीं भी कोई चोरी करता नहीं दिखाई दिया। इसके बवजूद भी सुरेंद्र रघुवंशी और कुछ लोगों ने हम्माल व तुलावट के साथ मारपीट की है। जो नींद नहीं है क्योंकि सजा का अधिकार न्यायालय को है इन लोगों को नहीं। तीन दिवस के अंदर इन लोगों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो मंडी के तौल कार्य बंद कर दिये जायेंगे।

*- **अजीम खान** अध्यक्ष हम्माल तुलावट यूनियन संघ*

सुरेश विवेक फर्म पर जो विवाद की जांच पड़ताल में सामने आया है कि किसान ने तुलाई से पूर्व भी हंगामा कर दिया था। सीसीटीवी कैमरे में भी कहीं कोई चोरी करता नहीं दिखाई दिया। हालांकि हमने तुलावट को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

*- **धनसिंह प्रभाकर** मंडी निरीक्षक*

व्रत रखकर महिलाओं ने की महालक्ष्मी की पूजा-अर्चना

सिरोंज। मंगलवार को महिलाओं ने घर परिवार की सुख समृद्धि की कामना को लेकर महा लक्ष्मी जी का व्रत रखकर विधि विधान से पूजा अर्चना की मिट्टी के हाथी की पूजा अर्चना विधि विधान से करने के बाद कथा का वचन हुआ आरती के बाद प्रसादी ग्रहण करने के बाद ही व्रत खोल प्राचीन काल से ही हाथी पूजा महालक्ष्मी जी के व्रत के रूप में की जाती है। इस दिन व्रत रखकर सच्चे मन से महालक्ष्मी जी की आराधना करने पर महा लक्ष्मी की विशेष कृपा बरसती है घर में सुख समृद्धि भी रहती है। इसीलिए महिलाएं इस व्रत को रखकर पूजन की इसके चलते बाजार में मिट्टी के बने हाथियों की मांग ज्यादा रही।

स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत प्रचार-प्रसार रथ किया रवाना

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा तैयार कराए गए जल जीवन मिशन प्रचार-प्रसार रथ को आज कलेक्ट्रेट परिसर से विदिशा विधायक मुकेश टंडन, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री संतोष साल्वे ने बताया कि स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार व स्वच्छता के संदेशों का प्रसारण करने के लिए रवाना किया गया प्रचार-प्रसार रथ एक माह तक विदिशा जिले में भ्रमण कर स्वच्छता गतिविधि, स्वच्छ पेयजल, जल संरक्षण तथा जल जीवन मिशन के प्रचार-प्रसार का कार्य करेगा।

मेट्रो एंकर हर बूथ पर संगठन पर्व के रूप में मनेगी पंडित दीनदयाल की जयंती

विधायक के रेफरल कोड से 10, 000 से अधिक लोगों ने ली भाजपा की सदस्यता

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

एकात्म मानववाद का मंत्र देने वाले भारतीय जन संघ के संस्थापक सदस्य एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती प्रत्येक बूथ केंद्र पर संगठन पर्व के रूप में मनाई जाएगी। इसके बाद सभी कार्यकर्ता सामूहिक रूप से अपने बूथ केंद्रों के गली मोहल्लों में घर घर पहुंचकर कार्यकर्ता व्यापक रूप से सदस्यता अभियान करके आमजन को भारतीय जनता पार्टी संगठन से जोड़ने का काम करेंगे।

बुधवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी जयंती को भव्यता से बूथ केंद्रो पर मानने के लिए स्थानीय विधायक उमाकांत शर्मा के मार्गदर्शन में सिरोंज नगर मंडल सहित चितावर एवं देवपुर मंडल की पृथक पृथक आयोजित बैठक आयोजित की गई। बैठक में पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा की भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने आमजन के हित को ध्यान में रखते को हुए अनेको योजनायें बनाई जिसमें कोई भी योजना धर्म , जाति के आधार पर नहीं बल्कि पात्रता के आधार पर योजनाओ का सीधा लाभ हितग्राहियो को मिल रहा है यह बात हमें गांव व शहर के प्रत्येक घर घर पहुंचकर आमजनो को बताना है साथ ही पात्र हितग्राहियों को योजनाओ का लाभ दिलाने का प्रयास भी हम सबको ही करना है। इसके साथ ही आयोजित हो रहे संगठन में हमे भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता से जोड़ने का भी अभियान चलाना है।

जयंती के उपलक्ष्य में हर कार्यकर्ता सौ लोगो को बनाएंगे भाजपा सदस्य - पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर भाजपा संगठन के आयोजित हो रहे सदस्यता अभियान के प्रथम चरण का समापन होगा। विधायक उमाकांत शर्मा ने समस्त पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओ से आव्हान करते हुए कहा है कि प्रत्येक मतदान केन्द्र पर दीनदयाल उपाध्याय जयंती मानने के उपरांत सामूहिक रूप से टोली बनाकर अपने बूथ केंद्र के घर घर जाकर सदस्यता करनी है साथ ही प्रत्येक कार्यकर्ताओं को सक्रिय सदस्यता प्राप्त करने के एक सौ लोगों को जोड़ने का काम करना है। सिरोंज लटेरी विधानसभा को प्रदेश नेतृत्व ने सदस्यता का जो लक्ष्य प्रदान किया है उसको हम सभी कार्यकर्ताओं को शीघ्र ही पूरा करना है। बैठकों को मंडल अध्यक्ष झार सिंह एवं रमेश यादव ने भी संबोधित किया। इसके पूर्व बैठको का शुभारंभ महापुरूषो के चित्र पर माल्यापर्ण एवं उपस्थित पार्टी के पदाधिकारियो,कार्यकर्ताओ का पटके उड़ाकर किया गया। इस अवसर पर मंडल पदाधिकारी,शक्ति केंद्र के संयोजक,बूथ अध्यक्ष,एवं बूथ समिति के कार्यकर्तागण उपस्थित रहें।

उमाकांत शर्मा के रेफरल कोड से 10,000 से अधिक लोगों ने ली सदस्यता - सिरोंज लटेरी विधानसभा से विधायक उमाकांत शर्मा के रेफरल कोड से 10, 000 से अधिक लोगों ने भाजपा की सदस्यता ली इस पर उनके कार्यकर्ताओं में खुशी और उत्साह का माहौल है लोगों सोशल मीडिया पर बधाई संदेश प्रेषित किये।

निकाय के अनुपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों का वेतन काटने के निर्देश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने विदिशा निकाय क्षेत्र के विभिन्न वार्डो का औचक निरीक्षण के उपरांत कसावट लाने के निर्देश दिए थे। निर्देशों के अनुपालन तहत निकाय के कर्मचारी के माध्यमों से संपादित किए जाने वाले कार्यों और उनकी उपस्थिति का जायजा मुख्य नगर पालिका अधिकारी के द्वारा लिया जा रहा है। उन्होंने अनुपस्थित कर्मचारियों की जानकारी प्राप्ति के लिए अधीनस्थों को जवाबदेही लिखित आदेश जारी कर प्राप्त की जा रही है।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह द्वारा गत दिवस किए गए औचक निरीक्षण में अनुपस्थित पाए गए हैल्थ आफिसर एवं दो स्वास्थ्य निरीक्षकों का एक-एक माह का वेतन रोकने की कार्यवाही की गई है, कि जानकारी देते हुए मुख्य नगरपालिका अधिकारी बीड़ी करतौलियां ने बताया कि आज मंगलवार को निरीक्षण के दौरान वार्डवार अनुपस्थित पाए गए दैनिक वेतन भोगी, स्थायी कर्मी व संविदा कर्मचारियों में से दैनिक वेतनभोगी क्रमशः वार्ड 21 में मंजू, अक्षय, वार्ड 22 में प्रशांत, वार्ड 23 में सुरेश एवं वीरू, वार्ड 24 में जित्तो, वार्ड 31 में मनीष, वार्ड 36 में जितेन्द्र अनुपस्थित पाए गए है इसी प्रकार वार्ड 30 में स्थायी कर्मी शांतिबाई तथा संविदा कर्मी जीवन एवं वार्ड 37 में देवेन्द्र तथा वार्ड 38 में संविदाकर्मी धीरज अनुपस्थित पाए गए है। उपरोक्तों का अनुपस्थित दिवस का वेतन काटने के निर्देश दिए गए है।

हॉलैंड ने की रोनाल्डो के रेकॉर्ड की बराबरी

यूरोपीय क्लब के लिए सबसे तेज 100 गोल पूरे

मैनचेस्टर. एजेंसी

अर्लिंग हॉलैंड ने मैनचेस्टर सिटी के लिए अपने 100 गोल पूरे करने के साथ ही पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के रेकॉर्ड की बराबरी कर ली। आर्सेनल के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ रहे इंग्लिश प्रीमियर लीग मैच के नौवें मिनट में गोल करने के साथ ही हॉलैंड ने यूरोपीय क्लब के लिए सबसे तेज 100 गोल पूरे कर लिए। उन्होंने 105वें मैच में यह मुकाम हासिल किया। रोनाल्डो ने वर्ष 2011 में रियाल मैड्रिड के लिए खेलते हुए 105 मैचों में 100 गोल पूरे किए थे।

235 गोल कर चुके हैं क्लब फुटबॉल करियर में... नॉर्वे के 24 साल के हॉलैंड क्लब करियर में खेले 271 मैचों में 235 गोल कर चुके हैं। उन्होंने मोल्डे, सेल्जबर्ग, बोरुसिया डोर्टमंड और मैनचेस्टर सिटी के लिए कुल इतने गोल किए हैं। वहीं नॉर्वे के लिए उन्होंने 32 गोल किए हैं। सिटी के लिए 100 गोल में से उन्होंने बाएं पैर से 73, दाएं पैर से 14, हेडर से 12 और बैक साइड से एक गोल किया है।

मेसी-रोनाल्डो को पीछे छोड़ सकते हैं हॉलैंड: हॉलैंड के पास रोनाल्डो और लियोनल मेसी जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ने का मौका है। हॉलैंड की उम्र तक रोनाल्डो ने जहां स्पोर्टिंग व मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए 313 मैचों में 117 गोल किए थे, वहीं मेसी ने बार्सिलोना के लिए 274 मैचों में 184 गोल किए थे।

***क्लब फुटबॉल:* मैनचेस्टर सिटी के लिए हॉलैंड ने दागा 100वां गोल, 105 मैचों में छुआ यह आंकड़ा**

हॉलैंड के नाम हैं ये रेकॉर्ड

- प्रीमियर लीग के एक सीजन (2022-23) में सर्वाधिक 36 गोल किए
- 48 मैचों में 50 प्रीमियर लीग गोल पूरे किए थे
- इस सीजन शुरुआती पांच प्रीमियर लीग मैचों में 10 गोल किए
- चैंपियंस लीग के 39 मैचों में 41 गोल कर चुके हैं मैनचेस्टर सिटी के अर्लिंग हॉलैंड गोल करने का जश्न मनाते हुए।

यह भी जानें: 2-2 से ड्रॉ रहा आर्सेनल व मैनचेस्टर सिटी के बीच प्रीमियर लीग मुकाबला, 19वें खिलाड़ी बने मैनचेस्टर सिटी के लिए 100 गोल करने वाले

हॉलैंड ने गेब्रियल पर फेंकी थी गेंद, नहीं होगी कोई कार्रवाई

मैच के अतिरिक्त समय में जॉन स्टोंस ने मैनचेस्टर सिटी के लिए बराबरी का गोल दागा था। इस गोल के बाद हॉलैंड ने गेंद को कलेक्ट किया और प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी गेब्रियल पर दे मारा, जो दूसरी तरफ मुंह घुमाए खड़े थे। इसके लिए हॉलैंड की काफी आलोचना हो रही है। वीडियो असिस्टेंट रेफरी ने इस घटना की समीक्षा की, लेकिन उसने इसे रेड कार्ड ओफेंस नहीं माना और आर्सेनल की अपील को खारिज कर दिया। इस मामले पर फुटबॉल एसोसिएशन ने भी अपना रुख साफ कर दिया है। फुटबॉल एसोसिएशन ने कहा है कि वह इस घटना पर कोई कार्रवाई नहीं करेगा। गौरतलब है कि दोनों टीमों के बीच तीखी नोक-झोंक भी हुई थी।

दो दिन बाद दूसरा मैच: अश्विन टॉप विकेट टेकर; स्टेडियम का ट्रैक रिकॉर्ड

कानपुर में 3 टेस्ट हारा है भारत रोहित-विराट लगा चुके शतक

अहमदाबाद, एजेंसी

भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला कानपुर में 27 सितंबर से खेला जाएगा। मुकाबला ग्रीन पार्क स्टेडियम में होगा, जहां भारत ने अब तक 7 टेस्ट जीते और 3 मुकाबले गंवाए हैं। यहां रविचंद्रन अश्विन मौजूदा स्क्वॉड में टॉप विकेट टेकर हैं। कानपुर में रोहित शर्मा ने 2 और विराट कोहली ने एक इंटरनेशनल शतक लगाया है। हालांकि, दोनों ही प्लेयर्स यहां एक ही टेस्ट खेल सके। कानपुर की पिच स्पिनर्स को मदद करती है, ऐसे में दोनों ही टीमों के बैटर्स को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। विराट कोहली ने भी कानपुर में इकलौता टेस्ट 2016 में ही खेला था। तब वह 9 और 18 रन के स्कोर ही बना सके थे। हालांकि, कानपुर में केएल राहुल के नाम 70 और शुभमन गिल के नाम 53 रन हैं। दोनों ने 2021 में यहां अपना इकलौता टेस्ट खेला था। अश्विन हैं टॉप विकेट टेकर कानपुर में रविचंद्रन अश्विन भारत के मौजूदा स्क्वॉड में टॉप विकेट टेकर हैं। उन्होंने 4 मैचों में 19 विकेट लिए हैं। उनके बाद रवींद्र जडेजा 12 विकेट लेकर दूसरे नंबर पर हैं। यहां 2021 में जडेजा और अश्विन के साथ अक्षर पटेल ने भी टेस्ट खेला था। तब उन्होंने 6 विकेट लिए थे। मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, आकाश दीप और जसप्रीत बुमराह कानपुर में अब तक एक भी टेस्ट नहीं खेल सके। हालांकि, कानपुर में बुमराह ने 2 लिमिटेड ओवर्स के मैच जरूर खेले हैं, जिनमें उन्होंने 3 विकेट लिए हैं। टेस्ट में भी अश्विन ही टॉप पर कानपुर में अश्विन और जडेजा ने 2-2 टेस्ट खेले हैं। अश्विन के नाम 16 और जडेजा के नाम 11 विकेट हैं। अक्षर 6 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं।

ग्रीन पार्क स्टेडियम का ट्रैक रिकॉर्ड

ग्रीन पार्क में रोहित शर्मा टॉप रन स्कोरर ग्रीन पार्क स्टेडियम में भारत के कप्तान रोहित शर्मा मौजूद स्क्वॉड में टॉप रन स्कोरर हैं। उनके नाम यहां वनडे में 2 सेंचुरी और टेस्ट में एक फिफ्टी हैं। अब तक तीनों फॉर्मेट में खेले 5 इंटरनेशनल मैचों में उन्होंने 432 रन बनाए हैं। जबकि विराट कोहली इतने ही मैचों में 199 रन बनाकर टीम के दूसरे टॉप स्कोरर हैं। रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन मौजूदा स्क्वॉड में तीसरे और चौथे टॉप स्कोरर हैं। दोनों ने पहले टेस्ट में 199 रन की पार्टनरशिप भी की थी। टेस्ट में फ्लॉप रहे कोहली कानपुर में भारत के सभी बैटर्स ने 1-1 टेस्ट ही खेला है, जबकि ऑलराउंडर अश्विन और जडेजा ने यहां 2-2 टेस्ट खेले हैं। कानपुर टेस्ट में जडेजा के नाम 142 और अश्विन के नाम 110 रन हैं। रोहित शर्मा 103 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं, उन्होंने यहां इकलौता टेस्ट 2016 में खेला था। तब उन्होंने 35 और 68 रन की पारियां खेली थीं।

हावी रहते हैं स्पिनर्स

ग्रीन पार्क स्टेडियम में काली मिट्टी की पिच मिलने की संभावना है। इस तरह की पिच पर गेंद को उछाल कम मिलता है और खेल आगे बढ़ने के साथ स्पिनर्स हावी होते चले जाते हैं। यहां अब तक स्पिनर्स को 346 और पेसर्स को 260 विकेट मिले हैं।

पहली बार खेलेंगे टेस्ट: टीम के बाकी बॉलर्स कानपुर में अब पहली बार ही कोई टेस्ट खेलते नजर आएंगे। भारत ने 57 फीसदी टेस्ट ड्रॉ खेले, पिछला मैच भी ड्रॉ कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में 1952 से टेस्ट मैच खेले जा रहे हैं। तब से यहां कुल 23 टेस्ट हुए, 7 में भारत को जीत और 3 में हार मिली। इस दौरान करीब 57त्न यानी 13 मुकाबले ड्रॉ रहे। 2010 के बाद से यहां 2 ही टेस्ट खेले गए, दोनों न्यूजीलैंड के खिलाफ रहे। 2016 में भारत को जीत मिली थी, जबकि 2021 में न्यूजीलैंड ने मुकाबला ड्रॉ करा लिया था।

लेवर कप: टीम यूरोप ने 5वीं बार जीता खिताब

बर्लिन. एजेंसी

स्पेन के कार्लोस अल्कारेज ने अमरीका के टेलर फ्रिट्ज को हराकर टीम यूरोप को लेवर कप टेनिस टूर्नामेंट का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। टीम यूरोप ने टीम वर्ल्ड को 13-11 से हरा कर पांचवीं बार लेवर कप अपने नाम किया। टूर्नामेंट के अंतिम दिन बेन शेल्टन ने डेनियल मेदवेदेव को 6-7, 7-5, 10-7 से हरा कर टीम वर्ल्ड को बढ़त दिला दी थी। लेकिन फिर एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फ्रांसिस टियाफो को 6-7, 7-5,10-5 से और अल्कारेज ने फ्रिट्ज को 6-2, 7-5 से हरा कर जीत दर्ज की।

भारतीय रिफाइनर्स ने कीमतों में वृद्धि के बीच पाम ऑयल ऑर्डर रद्द किए

मेट्रो बाजार

इंदौर. एजेंसी

भारतीय रिफाइनर्स ने अक्टूबर से दिसंबर के बीच डिलीवरी के लिए एक लाख मीट्रिक टन पाम ऑयल खरीदी रद्द की दी है। यह निर्णय वैश्विक पाम ऑयल की कीमतों में तेजी और भारत सरकार के आयात शुल्क बढ़ाने के कदम के चलते किया गया है। व्यापारिक सूत्रों का कहना है कि इस निर्णय में पिछले चार दिनों में 50 हजार टन की रद्द किया निर्णय शामिल है। भारत जो पाम ऑयल का सबसे बड़ा आयातक है, औरतम प्रति माह लगभग 7 लाख 50 हजार टन पाम ऑयल आयात करता है। एक लाख टन रद्द किया गए आर्डर इस महीने के औसत आयात का 13.3 प्रति प्रतिनिधित्व करती है, जो मलेशियाई पाम ऑयल की कीमतों में जारी तेजी पर नीचे दबाव डाल सकती है। पाम ऑयल की कीमतें बढ़ने और आयात शुल्क वृद्धि के कारण कुछ भारती रिफाइनर्स पाम ऑयल के अनुबंधों को रद्द कर अन्य खाद्य तेलों, विशेषकर सोयाबीन के तेल की ओर रुख कर रहे है। **वहीं** किराना बाजार में नारियल, खोपरा गोला और बूरा में एकतरफा तेजी का माहौल बना हुआ है। गेहूं के दाम मजबूत रहने से साथ त्योहारी खरीदी से आटा-मैदा और रवा के दाम में भी बढ़त दर्ज की जा रही है। इधर, स्टॉकिस्टों की ऊंचे भाव पर बिकवाली का जोर रहने से चने की कीमतों में नरमी आई।

11 लाख युवाओं को मिली नौकरी, जुलाई में हुई सृजित

नई दिल्ली. एजेंसी

रोजगार के मोर्चे पर राहत देने वाली खबर है। श्रम मंत्रालय ने आंकड़े जारी कर बताया कि संगठित क्षेत्र में जुलाई, 2024 में देश में करीब 20 लाख नौकरियां पैदा हुई। इसमें सबसे ज्यादा रोजगार 25 साल से कम उम्र के युवाओं को मिला। ईपीएफओ ने बताया कि जुलाई में उसके साथ 19.94 लाख नए सदस्य जुड़े, इनमें से पहली बार नौकरी ज्वाइन करने वाले लोगों की संख्या 10.52 लाख रही। यानी करीब 11 लाख युवा ईपीएफओ की ओर से संचालित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़े हैं। 8.77 लाख सदस्य 18-25 वर्ष आयु वर्ग के, जिनमें से 6.25 लाख लोग पहली बार काम कर रहे।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

शादी की अंगूठी फ्लॉन्ट करती दिखीं ऐश्वर्या राय, फैंस बोले- अब सब ठीक...

बीते कुछ समय से खबरें हैं कि ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन के बीच कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। ये कपल जल्द ही तलाक ले सकता है। इसी बीच ऐश्वर्या का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें एक्ट्रेस कैमरे की तरफ आंख मारती नजर आ रही हैं। इस दौरान उन्होंने वी शेप वाली अंगूठी भी पहनी हुई है, जिसे फैंस उनकी शादी की अंगूठी बता रहे हैं। दरअसल, दुबई में अवार्ड सेरेमनी अटेंड करने के बाद ऐश्वर्या राय इन दिनों बेटी आराध्या के साथ पेरिस फैशन वीक में शिरकत करने पहुंची हैं। जहां से उनका ये वीडियो सामने आया है। ऐश्वर्या का ये मस्ती भरा अंदाज और शादी की रिंग फ्लॉन्ट करना उनके पैच-अप की खबरों को हवा दे रही है। ऐश्वर्या के इस वीडियो पर फैंस भी जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, तो उनका तलाक नहीं हुआ है बल्कि वे सिर्फ लड़ रहे हैं? मुझे उम्मीद है कि यही मामला होगा और सब कुछ जल्द ही सुलझ जाएगा। दूसरे ने लिखा, एक्ट्रेस को इस तरह खुश देखकर लग रहा है कि उनकी जिंदगी में सब कुछ ठीक हो गया है। ऐश्वर्या के लुक की बात की जाए तो उन्होंने प्रिंटेड ओवरसाइज लॉन्ग जैकेट पहनी हुई है। ग्लोइंग मेकअप और ओपन हेयर के साथ वो बहुत ही ज्यादा खूबसूरत नजर आ रही हैं। मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी जुलाई में हुई थी। इस शादी में बॉलीवुड के कई सितारे पहुंचे थे। अभिषेक बच्चन भी अपने परिवार संग शादी में शामिल हुए थे। लेकिन उनके साथ कहीं भी ऐश्वर्या राय नहीं दिखीं। हालांकि, उनकी एंट्री के कुछ समय बाद ऐश्वर्या राय अपनी बेटी आराध्या के साथ शादी में शामिल हुई थीं। इसके अलावा ऐश्वर्या राय, बेटी के साथ वेकेशन पर गई थीं, उस समय भी उनके साथ अभिषेक नजर नहीं आए थे। तब से ही कपल के तलाक की खबरें जोरों पर हैं।

करण जौहर का बयान- इंडस्ट्री ने नहीं किया शाहरुख की क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल

बॉलीवुड के दिग्गज निर्देशक करण जौहर ने शाहरुख खान को लेकर कहा कि इंडस्ट्री में उनकी क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि शाहरुख सुपरस्टार के दबाव की वजह से कई भूमिकाएं नहीं कर पाते हैं। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता शाहरुख खान अक्सर चर्चाओं में बने रहते हैं। वह बीते कई वर्षों से लगातार दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। हाल में ही दिग्गज निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने उनके बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि शाहरुख को मुख्य धारा के सितारे के रूप में अपनी क्षमताओं का पूरी तरह से इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी गई। निर्देशक ने कहा, वह एक ऐसा अनोखा सितारा बनना चाहते थे, जो सिनेमा को बदल दे। हालांकि, अब कोई भी इसकी अनुमति नहीं देगा। निर्देशक ने आगे कहा कि जब शाहरुख खान का नाम लिया जाता है, तो उनके नाम के साथ एक उम्मीद जुड़ी होती है। करण जौहर हाल में एक इंटरव्यू के दौरान शाहरुख खान और आमिर खान को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि सुपरस्टार की छवि बनाए रखने का दबाव, अक्सर शाहरुख जैसे अभिनेता को लीक से हटकर कुछ अलग भूमिकाएं करने से रोकता है। उन्होंने कहा कि शाहरुख ने पहेली और अशोका जैसी फिल्मों के साथ आदर्श से हटकर कदम उठाने का प्रयास किया। उन्होंने यह भी कहा कि शाहरुख में हमेशा से प्रयोग करने और बदलाव लाने की इच्छा रही है, जो उनके करियर की शुरुआत से ही स्पष्ट रही है। करण जौहर ने आगे कहा कि शाहरुख कभी भी मुख्यधारा के हीरो जैसी छवि नहीं चाहते थे। हालांकि, दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे की सफलता ने उन्हें इस रास्ते पर डाल दिया। इस फिल्म के बाद उनकी कई प्रेम कहानियों वाली फिल्में आईं।

एनटीआर ने आलिया को बताया सच्ची दोस्त

जूनियर एनटीआर और आलिया भट्ट इन दिनों अपनी-अपनी आगामी फिल्मों को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच हाल में ही दोनों 'देवरा का जिगरा' नामक इंटरव्यू में शामिल हुए थे, जहां एनटीआर ने अभिनेत्री को अपनी सच्ची दोस्त बताया है। बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट और साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर इन दिनों काफी चर्चा में हैं। दोनों अपनी आगामी फिल्म के रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। आलिया भट्ट 'जिगरा' में नजर आने वाली हैं, जबकि एनटीआर 'देवरा' में नजर आएंगे। हाल में ही दोनों देवरा का जिगरा नामक इंटरव्यू के लिए जुटे थे। इस दौरान दोनों ने एक दूसरे के साथ काफी मजेदार और दिलचस्प बातें कीं। इस बातचीत के दौरान जूनियर एनटीआर ने खुलासा किया वो और आलिया अच्छे दोस्त हैं। आलिया और जूनियर एनटीआर इससे पहले साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म 'आरआरआर' में साथ काम कर चुके हैं। इस इंटरव्यू के दौरान एनटीआर ने खुलासा करते हुए बताया कि आलिया शुरू से ही मुंबई में उनकी एक सच्ची दोस्त रही हैं। इस इंटरव्यू के दौरान दोनों के साथ दिग्गज हिंदी फिल्म निर्माता- निर्देशक करण जौहर भी मौजूद थे। इस बातचीत के दौरान एनटीआर ने कहा, मैं बॉम्बे में आलिया के अलावा किसी और दोस्त की कल्पना नहीं कर सकता। निश्चित रूप से उनके बाद ही रणबीर से भी दोस्ती हुई। उन्होंने आगे कहा, रणबीर और मैं नहीं दोस्त नहीं थे, पहले मेरी और आलिया की दोस्ती हुई और फिर बाद में रणबीर के साथ मेरी दोस्ती हुई।

इस बातचीत के दौरान दोनों ने एक दूसरे के साथ काफी मस्ती की। दोनों के बीच इस बात पर काफी विचार हुआ कि उनकी फिल्मों में से सबसे पहले किसकी फिल्म का नाम रखा गया था। हालांकि, बाद में ये निष्कर्ष निकाला गया कि देवरा ही वो फिल्म थी, जिसका नाम पहले रखा गया। दोनों इस दौरान काफी चकित थे कि कैसे दोनों की फिल्मों का उच्चारण एक जैसा ही लगता है। बताते चलें कि देवरा एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जबकि आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा भाई बहन के रिश्ते पर आधारित एक भावनात्मक फिल्म है। देवरा 27 सितंबर को रिलीज होगी। वहीं, जिगरा 11 अक्तूबर को रिलीज होने वाली है। बात करें दोनों कलाकारों के वर्क फ्रंट की, तो देवरा के बाद जूनियर एनटीआर यशराज फिल्म्स के जासूसी थ्रिलर वॉर 2 में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ ऋतिक रोशन भी नजर आने वाले हैं।

पहली बार नाबालिग को शराब व गुटखा बेचने वालों पर प्रकरण दर्ज

नशे की हालत में लड़कों ने की थी युवक की हत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बागसेवनिया पुलिस ने नाबालिग को शराब और गुटखा बेचने वालों के खिलाफ जेजे एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। नाबालिगों ने नशे की हालत में एक युवक की छुरी मारकर हत्या कर दी थी। काउंसलिंग के दौरान यह बात सामने आई कि उन्होंने दुकान से शराब, सिगरेट और गुटखा खुद ही खरीदा था। जानकारी के अनुसार डिंडौरी निवासी गजेंद्र यादव (26) अरविंद विहार कालोनी में रहता था और प्रायवेट काम करता था। बीती 6 सितंबर की रात वह अपने मामा के साथ सामान खरीदने राजाभोज तिराहे पर पहुंचा था। मामा दुकान पर सामान खरीद रहा था, जबकि गजेंद्र शर्मा आप्टिकल के पास पटिए पर बैठा हुआ था। इसी बीच करीब आधा दर्जन नाबालिग लड़के पहुंचे। वह सभी एक दोस्त की बर्थडे पार्टी मनाने के बाद लौट रहे थे।

पटिये पर बैठे गजेंद्र के साथ किसी बात को लेकर एक लड़के की कहासुनी हो गई। उसके बाद लड़कों ने गजेंद्र पर चाकू से हमला कर दिया। मौके मौजूद मामा राज यादव उसे इलाज के लिए एम्स अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने इस मामले में नाबालिग लड़कों को गिरफ्तार किया था। काउंसलिंग के बाद दर्ज हुआ केस काउंसलिंग के दौरान नाबालिग ने बताया कि उसने खुद ही शराब दुकान से बीयर की बोतल खरीदी थी। इसके अलावा पास ही किराना दुकानदार रिषीकांत साहू से सिगरेट और गुटखा खरीदा था। पुलिस ने नाबालिग को नशे का सामान बेचने पर रिषीकांत के खिलाफ जेजे एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। शराब दुकान के कर्मचारी की पहचान फिलहाल नहीं हो पाई है। पहचान सुनिश्चित होने के बाद उसे भी आरोपी बनाया जाएगा।

60 साल की बुजुर्ग के साथ दुराचार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आउटर इलाके में एक बुजुर्ग महिला के साथ 21 वर्षीय दीपक जाट नाम के युवक ने दुष्कर्म किया। वह महिला को डरा-धमका कर निर्माणाधीन मकान में लेकर गया था। घटना के बाद महिला अपने परिजनों के साथ थाने पहुंची। पुलिस ने आरोपी को गिरतार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि 60 वर्षीय महिला परिवार के साथ मेहनत-मजदूरी करती है। महिला अपने घर के पास ही कुछ काम कर रही थी तभी दीपक आया और घसीटकर एक निर्माणाधीन मकान में ले गया। यहां पर उसने महिला के साथ दुष्कर्म किया।

जीवनदान अस्पताल के पास निर्माणाधीन सनराइज होम्स की घटना

सड़क पर सो रहे मजदूर दंपती को डंपर ने कुचला, दोनों की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो। ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित निर्माणाधीन सनराइज होम्स में बीती रात डंपर ने सड़क पर सो रहे मजदूर दंपती को कुचल दिया। डंपर का पिछले टायर दंपती पर चढ़ने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना रात करीब साढ़े दस बजे के आसपास की बताई जा रही है। पुलिस ने डंपर जब्त कर लिया है। आरोपी चालक पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

थाना प्रभारी दुर्जनसिंह ने बताया कि बच्चूलाल वाल्मीकि (48) गांव बाड़ेर, श्मशाबाद के रहने वाले थे। वे अपनी पत्नी 45 साल की घनश्याम बाई के साथ जीवनदान अस्पताल के पास डवलप हो रही सनराइज होम्स कॉलोनी में मजदूरी करते थे। दोनों कॉलोनी में रहते थे। उन्होंने वहां टपरा बना लिया था।

गिट्टी खाली करने आया था डंपर

कॉलोनी में अभी डवलप की जा रही है और पहले रोड बनाया जा रहा है। मंगलवार रात एक डंपर सड़क बनाने के लिए गिट्टी लेकर आया था। उसने दो डंपर गिट्टी डाल दी थी। तीसरे डंपर वह गिट्टी के लेकर पहुंचाड़था। गिट्टी अनलोड करने के लिए उसने अपने डंपर को रिवर्स किया। इसी बीच सड़क किनारे सो रहे दंपती को उसने पिछले टायर में दबा दिया।

नहीं था क्लीनर

गर्मी अधिक होने के कारण दंपती खुले में सड़क पर सोएड़थे। हादसे में डंपर चालक की बड़ी लापरवाही सामने आई है। डंपर में क्लीनर नहीं था। यदि क्लीनर होता और वह रिवर्स करते समय ड्राइवर को बता देता तो दंपती की जान नहीं जाती। घटना की जानकारी दंपती के परिजन को मिल गईड़थी। वे श्मशाबाद से भोपाल पहुंच गए थे। दंपती का आज हमीदिया अस्पताल के मर्चूरी में पीएम कराया जा रहा है।

काम के बहाने महिला को राजस्थान ले जाकर बेचा खरीददार समेत चार आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हबीबगंज में रहने वाली एक महिला को साथ काम करने वाले राजस्थान ले गए और वहां एक युवक से सौदा कर उसे बेच दिया। पुलिस ने महिला को दस्तयाब कर खरीददार समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के खिलाफ अपहरण और मानव दुर्व्यापर तथा खरीददार के खिलाफ दुष्कर्म समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार इलाके में रहने वाली 25 वर्षीय महिला शादी पार्टी में खाना बनाने का काम करती है। उसके साथ छाया देशमुख, पूजा धानक, संतोष भालेराव और उसका पति मनोज भालेराव भी काम करता था। कुछ

महीने पहले इन चारों ने बताया कि राजस्थान में काम करने चलना है। महिला उनके साथ काम के लिए चली गई। वहां ले जाकर चारों ने उसे राजस्थान के राजसमंद में देवीलाल गर्ग नामक युवक से जबरन शादी करवा दी। इसके बदले चारों ने देवीलाल से हजारों रुपये की राशि ले ली। महिला से शादी करने के बाद देवीलाल ने उसका शारीरिक शोषण करना शुरू कर दिया। इधर, कई दिन तक महिला घर नहीं लौटी तो उसकी मां ने थाने जाकर गुमशुदगी दर्ज कराई थी। जांच के बाद पुलिस ने लापता महिला को राजस्थान से दस्तयाब कर लिया। पीड़िता के बयान लेने के बाद पुलिस ने देवीलाल, छाया, संतोष और पूजा को गिरफ्तार कर लिया है।

विरोध प्रदर्शन

भोपाल। इंद्रपुरी बीमा हॉस्पिटल वेल कर्मचारियों को अस्पताल द्वारा इलाज नहीं होने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया।

आरोप: मकान किराए पर देकर दूसरे स्थान पर झुग्गी बना लेते हैं लोग

भोपाल, दोपहर मेट्रो। शहर को झुग्गी मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन और नगर निगम के प्रयास को विस्थापित परिवार ही पलीता लगा रहे हैं। इस बात की पुष्टि महापौर मालती राय ने महापौर हेल्पलाइन समीक्षा बैठक के बाद की। महापौर ने कहा कि जिन्हें मकान दिए जाते हैं वह अपने मकान में शिफ्ट हो जाएं तो आधे से ज्यादा झुग्गी अपने आप ही समाप्त हो जाएं। जांच में मिला कि जिन लोगों को झोपड़ी के बदले पक्का मकान बनाकर दिया जाता है वह अपना मकान किराए पर दे देते हैं और दूसरे स्थान पर झुग्गी बनाकर रहने लगते हैं। उल्लेखनीय की इस मामले में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हाल ही में नगर निगम को सर्वे कराकर परिवारों को विस्थापित करने के निर्देश दिए हैं जिसके बाद इस मामले में नए सिरे से कवायद की जा रही है। राजभवन से सटे इलाके में 17 एकड़ में फैली रोशनपुरा बस्ती हो या बाणगंगा, भीमनगर, विश्वकर्मा नगर जैसी टॉप 8 झुग्गी बस्तियां। ये सभी शहर के बीच प्राइम लोकेशन पर करीब 300 एकड़ में फैली हैं। इनके अलावा राहुल नगर, दुर्गा नगर, बाबा नगर, अर्जुन नगर, पंचशील, नया बसेरा, संजय नगर, गंगा नगर, जैसी कुल 388 बस्तियां शहर में हैं। इन सबकी जमीन का हिसाब लगाएं तो यह करीब 1800 एकड़ के आसपास बैठती है।

मेयर हेल्प लाइन में दर्ज प्रकरणों की समीक्षा

नाबालिग का अपहरण कर बलात्कार, केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

खजूरी सड़क इलाके में रहने वाली एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर बलात्कार का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार इलाके के एक फार्म हाउस पर रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी बीती 21 सितंबर को घर से बगैर बताए लापता हो गई थी। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए बालिका की तलाश में एक विशेष टीम लगाई गई थी। मंगलवार को टीम ने नाबालिग को बरामद कर लिया। पूछताछ में पीड़िता ने बताया कि शाहजहांनाबाद इलाके में रहने वाला एक युवक उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। इस दौरान उसने उसका शारीरिक शोषण भी किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपहरण, बलात्कार और पोक्सो एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम लगाई गई है।

युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

चित्रकूट का रहने वाला मृतक निजी कंपनी में करता था काम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शाहपुरा इलाके में रहने वाले एक युवक ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार मंगेश पटेल (20) मूलतः चित्रकूट का रहने वाला था। फिलहाल वह विकासकुंज भरत नगर शाहपुरा में किराए से रहता था और एक निजी कंपनी में काम करता था। मंगलवार दोपहर उसका दोस्त घर पहुंचा तो दरवाजा भीतर से बंद मिला। झांककर देखा तो अंदर मंगेश फंदे पर लटका दिखा। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया। मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि सोमवार को वह किसी पार्टी में गया था, जहां उसकी कुछ बहसबाजी हुई थी। मृतक के मोबाइल की जांच कराई जाएगी। उसके बाद ही फांसी लगाने के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

मेट्रो एंकर चार दिन से परिजन कर रहे थे तलाश

बबूल के पेड़ पर लटकी मिली युवक की लाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो। अरेरा हिल्स स्थित वल्लभ भवन के जंगल एरिया में एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उसकी लाश बबूल के पेड़ पर लटकी मिली। युवक करीब चार दिनों से घर नहीं लौटा था। मंगलवार को उसकी मां गुमशुदगी दर्ज कराने पहुंची, तभी जंगल में लाश मिलने की सूचना आई गई। पुलिस मौके पर पहुंची तो उसकी पहचान कर ली गई। लाश पुरानी होने के कारण डीकम्पोज हो गई थी।

थाना प्रभारी मनोज पटवा ने बताया कि वल्लभ नगर क्रमांक-1 में रहने वाली तरुण (23) हलवाई का काम करता था। परिवार में मां के अलावा भाई-बहन हैं। करीब चार दिन पहले वह घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। मंगलवार को उसकी मां थाने पहुंची और बेटे के गायब होने की जानकारी दी। पुलिस उसकी गुमशुदगी दर्ज कर रही थी, तभी सूचना मिली कि वल्लभ नगर क्रमांक एक नेपाली मोहल्ले का पास जंगल एरिया में एक युवक की लाश फांसी पर लटकी है। पुलिस मौके पर पहुंची तो बबूल के पेड़ पर युवक का शव फंदे पर लटका मिला। शव कई दिन पुराना होने के कारण डीकम्पोज हो गया था। इसी बीच परिजन मौके पर पहुंचे, जिसके बाद मृतक की पहचान तरुण के रूप में कर ली गई। पुलिस ने बताया कि मृतक के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। जांच के बाद ही फांसी लगाने के कारणों का खुलासा हो पाएगा। परिजन चार दिनों से उसकी तलाश कर रहे थे, जबकि वह घर से करीब तीन सौ मीटर दूर घने जंगल में पेड़ पर लटका मिला है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022